RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | गुरूवार, 16 जुलाई 2026 | वर्षः 04, अंकः 116 पृष्ठः 08, मूल्यः 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कैबिनेटः चिप उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सेमीकॉन 2.0 को मंजूरी

सेमीकंडक्टर डिजाइन और विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिए सेमीकॉन 2.0 को मंजूरी दी

नई दिल्ली/एजेंसी

केन्द्र सरकार ने सेमीकंडक्टर डिजाइन और विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिए सेमीकॉन 2.0 को मंजूरी दी है और इसके लिए कुल बजट 1.27 लाख करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को सेमीकॉन 2.0 को मंजूरी दी। मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में अश्वनी वैष्णव ने कहा कि देश में सेमीकंडक्टर क्षेत्र को सतत और दीर्घकालिक समर्थन की आवश्यकता को पहचानते हुए और सेमीकॉन 1.0 के तहत आई गति को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से सेमीकॉन 2.0 को मंजूरी दी गई है। इसका लक्ष्य देश को विश्व के सेमीकंडक्टर मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता को और आगे बढ़ाना है। सेमिकॉन 2.0 के तहत भारत को सेमीकंडक्टर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए छह प्रमुख स्तंभ तय किए गए हैं। पहले स्तंभ में चिप डिजाइन को बढ़ावा देकर भारतीय कंपनियों को नई तकनीक और बौद्धिक संपदा (आईपी) विकसित करने में सहायता दी जाएगी। दूसरे स्तंभ के तहत चिप बनाने में काम आने वाली मशीनों, रसायनों, गैसों और अन्य सामग्री के निर्माण को प्रोत्साहन मिलेगा। तीसरे स्तंभ में देश में अधिक सेमीकंडक्टर फैब (चिप निर्माण संयंत्र) स्थापित करने पर जोर होगा। चौथे स्तंभ के अंतर्गत चिप पैकेजिंग और परीक्षण (एटीएमपी/ओसैट) उद्योग को मजबूत किया जाएगा। पांचवें स्तंभ में देश-विदेश के प्रमुख संस्थानों के सहयोग से उन्नत चिप तकनीकों पर अनुसंधान और विकास को बढ़ावा दिया जाएगा।

छठे स्तंभ के तहत विश्वविद्यालयों और उद्योगों के सहयोग से छात्रों और इंजीनियरों को आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण देकर कुशल मानव संसाधन तैयार किए जाएंगे।

वैष्णव ने कहा कि इससे भारत में संपूर्ण सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र मजबूत होगा, रोजगार बढ़ेगा और तकनीकी आत्मनिर्भरता को नई गति मिलेगी।

मोबाइल फोन निर्माण योजना (एमपीएमएस) को मंजूरी दी

नई दिल्लीः केन्द्र सरकार ने 625 अरब रुपये के बजट परिव्यय के साथ मोबाइल फोन निर्माण योजना (एमपीएमएस) को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 5 वर्ष की अवधि (वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक) के लिए योजना को मंजूरी दी। केन्द्रीय मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने बताया कि योजना के तहत देश में मोबाइल फोन निर्माण पर 2.25 प्रतिशत से 5 प्रतिशत तक की अलग-अलग दरों पर प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। साथ ही घरेलू सोर्सिंग से जुड़ा 1.5 प्रतिशत तक का अतिरिक्त प्रोत्साहन भी होगा। भारतीय ब्रांड बनाने के लिए डिजाइन और अनुसंधान पर 3 प्रतिशत अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। वैष्णव ने बताया कि योजना अवधि के दौरान मोबाइल फोन उत्पादन 39 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है। साथ ही इस योजना से लगभग 60 हजार प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होगा और आर्थिक विकास में योगदान भी मिलेगा। सरकार के अनुसार योजना का उद्देश्य तकनीकी संप्रभुता हासिल करने, व्यापक आर्थिक मूल्य प्राप्त करने और डिजाइन एवं अनुसंधान एवं विकास में भारतीय पेटेंट बनाने के लिए भारतीय ब्रांडों का निर्माण करना भी है।

कैबिनेट ने वाराणसी में 10,998 करोड़ रुपये की लागत से वरुणा एलिवेटेड कॉरिडोर को मंजूरी दी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने वाराणसी को जाम से राहत देने और काशी के परिवहन नेटवर्क को नया स्वरूप देने के लिए 10,998.32 करोड़ रुपये की लागत वाली 43.218 किलोमीटर लंबी वरुणा एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) की बैठक में इस परियोजना पर मुहर लगाई गई।

गुजरात में बनेगा ग्रीनफील्ड जहाज निर्माण क्लस्टर

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्र सरकार ने भारत को वैश्विक जहाज निर्माण एवं जहाज मरम्मत केंद्र बनाने के लिए गुजरात के पोरबंदर में ग्रीनफील्ड शिपबिल्डिंग क्लस्टर तथा कच्छ की खाड़ी के वाडिनार में 1,570 करोड़ रुपये की अत्याधुनिक जहाज मरम्मत सुविधा को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। दोनों परियोजनाओं को शिपबिल्डिंग डेवलपमेंट स्कीम (एसबीडीएस) के तहत मंजूरी मिली है। केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि ये परियोजनाएं मैरीटाइम अमृतकाल विजन-2047 और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। केंद्रीय मंत्री सबानंद सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में भारत के समुद्री क्षेत्र में व्यापक बदलाव आया है और अब अगला चरण देश की जहाज निर्माण एवं जहाज मरम्मत क्षमता को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है।

वाडिनार में 1,570 करोड़ की जहाज मरम्मत परियोजना को मंजूरी

पोरबंदर जिले के कुचड़ी क्षेत्र में करीब 2,000 एकड़ भूमि पर विकसित होने वाला ग्रीनफील्ड शिपबिल्डिंग क्लस्टर राष्ट्रीय शिपबिल्डिंग एवं हेवी इंडस्ट्रीज पार्क-गुजरात (एनएसएचआईपी-गुजरात) के माध्यम से स्थापित किया जाएगा। यह विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) बंदरगाह मंत्रालय और गुजरात समुद्री बोर्ड की संयुक्त पहल है।

परियोजना में आधुनिक शिपयार्ड, सहायक विनिर्माण इकाइयां, साझा अवसंरचना और कौशल विकास केंद्र विकसित किए जाएंगे। इसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता 12 से 15 लाख ग्रॉस टनेज (जीटी) होगी, जिससे बड़े वाणिज्यिक जहाजों के निर्माण में भारत की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। दूसरी परियोजना के तहत वाडिनार में कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) और दीनदयाल पोर्ट प्राधिकरण (डीपीए) संयुक्त रूप से देश की सबसे बड़ी जहाज मरम्मत सुविधाओं में से एक विकसित करेंगे।

नई दिल्लीः केन्द्र सरकार ने 625 अरब रुपये के बजट परिव्यय के साथ मोबाइल फोन निर्माण योजना (एमपीएमएस) को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 5 वर्ष की अवधि (वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक) के लिए योजना को मंजूरी दी। केन्द्रीय मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने बताया कि योजना के तहत देश में मोबाइल फोन निर्माण पर 2.25 प्रतिशत से 5 प्रतिशत तक की अलग-अलग दरों पर प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। साथ ही घरेलू सोर्सिंग से जुड़ा 1.5 प्रतिशत तक का अतिरिक्त प्रोत्साहन भी होगा। भारतीय ब्रांड बनाने के लिए डिजाइन और अनुसंधान पर 3 प्रतिशत अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। वैष्णव ने बताया कि योजना अवधि के दौरान मोबाइल फोन उत्पादन 39 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है। साथ ही इस योजना से लगभग 60 हजार प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होगा और आर्थिक विकास में योगदान भी मिलेगा।

हाईकोर्ट में नाबालिग के साथ गैंग-रेप के 47 साल बाद दोषी ठहराए जाने का फैसला बरकरार

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने बुधवार को 1979 के नाबालिग के साथ गैंग-रेप के मामले में एक व्यक्ति को दोषी ठहराए जाने का फैसला बरकरार रखा, लेकिन उसकी मुख्य सजा को 7.5 साल से घटाकर 4 साल की कठोर कारावास कर दिया।

जस्टिस संतोष राय की बेंच ने आपराधिक अपील के 43 साल से लंबित रहने और जीवित दोषी की उम्र (71 साल) को ध्यान में रखते हुए सजा में बदलाव किया। इसके साथ ही कोर्ट ने आरोपी-अपीलकर्ता द्वारा दायर आपराधिक अपील को आंशिक रूप से मंजूरी दे दी। उसे सरेंडर करने और बाकी बची सजा काटने का निर्देश दिया गया।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, 31 अक्टूबर और 1 नवंबर 1979 की रात को नाबालिग पीड़िता (उम्र 15 से 17 साल के बीच) का गाँव के ही तीन लोगों - काली चरण, राम लाल और राम स्वरूप (हाईकोर्ट में अपीलकर्ता) - ने चाकू की नोक पर जबरदस्ती अपहरण कर लिया। उसे ट्रेन से शाहजहाँपुर होते हुए तिलहर के एक खाली घर में ले जाया गया, जहाँ उसे एक हफ़्ते तक बंधक बनाकर रखा गया और बार-बार गैंग-रेप किया गया। इसके बाद उसे एक मेला दिखाने के लिए बिल्संडा लाया गया, जहां 31 अक्टूबर और 1 नवंबर 1979 की रात को एक सब-इंस्पेक्टर ने उसे बचाया। इसके बाद तीनों आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट

दायर की गई।

1983 में पीलीभीत की असिस्टेंट सेशंस जज की कोर्ट ने तीनों को दोषी पाया और उन्हें अधिकतम साढ़े सात साल की सजा सुनाई। दोषियों ने 1983 में हाई कोर्ट में फैसले को चुनौती दी। अपील लंबित रहने के दौरान, सह-अपीलकर्ता काली चरण और राम लाल की मौत हो गई और 2022 में उनके मामले में अपील खत्म हो गई। यह मामला सिर्फ अपीलकर्ता राम स्वरूप के लिए बचा रहा, जो ट्रायल के समय 27 साल के थे और अब 71 साल के हैं।

उच्च न्यायालय के सामने अपीलकर्ता कालीचरण के वकील ने दोषसिद्धि के सवाल पर अपील को आगे नहीं बढ़ाया और अपनी बात सिर्फ. सजा के सवाल तक सीमित रखी। यह दलील दी गई कि यह एक ऐसा मामला है, जिसमें ट्रायल कोर्ट द्वारा दी गई सजा को इस कोर्ट के विवेक का इस्तेमाल करते हुए उचित रूप से कम किया जा सकता है, जबकि दोषसिद्धि को बरकरार रखा जाए और अपीलकर्ता को प्रोबेशन पर रिहा किया जाए।

हालांकि, जस्टिस राय ने इस दलील को खारिज करते हुए कहा "ऐसे मामलों में, जहां पीड़ित की गवाही दोषसिद्धि का आधार होती है, दोषी के प्रति 'अत्यधिक सहानुभूति' दिखाना न्याय का घोर उल्लंघन होगा। सजा देना केवल बदला लेने की प्रक्रिया नहीं है, इसका मकसद अपराधी और दूसरों के लिए एक सबक होना चाहिए, और कमजोर लोगों की सुरक्षा के लिए कानून बनाने वालों की मंशा को भी दिखाना चाहिए"।

अपराध को 'जघन्य' बताते हुए बेंच ने कहा कि यौन हिंसा का सामाजिक असर बहुत गहरा होता है। इतने गंभीर मामले में प्रोबेशन का लाभ देना सामाजिक हित और आपराधिक न्याय के सिद्धांतों के "विपरीत" होगा। हालांकि, बेंच ने गौर किया कि आई पी सी की धारा 376, जो उस समय लागू थी, अदालतों को "पर्याप्त और विशेष कारणों" से सजा को कानून में तय सात साल की न्यूनतम अवधि से कम करने की इजाजत देती थी। कोर्ट ने इस बात पर ध्यान दिया कि घटना 1979 की, यानी लगभग 47 साल पुरानी है और अपील खुद इस कोर्ट में लगभग 43 साल से लंबित रही है, जिसमें अपीलकर्ता की कोई गलती नहीं थी। बेंच ने यह भी गौर किया कि अपीलकर्ता, जो ट्रायल के समय लगभग 27 साल का था।

डीएम ने रसूलीपुर माइनर का निरीक्षण कर नहर संचालन की स्थिति का लिया जायजा

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने बुधवार बट बंधुरी रसूलीपुर माइनर का स्थलीय निरीक्षण कर नहर संचालन की स्थिति का जायजा लिया।

जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान माइनर में पानी का प्रवाह न पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिशासी अभियंता,सिंचाई को दूरभाष पर निर्देशित किया कि रोस्टर के अनुसार नहरों का नियमित एवं प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसानों को सिंचाई के लिए किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

जिलाधिकारी ने सहायक अभियंता, लघु सिंचाई एवं परियोजना निदेशक,डी.आर.डी.ए.
को निर्देशित किया कि संयुक्त रूप से बट बंधुरी रसूलीपुर माइनर के संचालन का स्थलीय सत्यापन कर विस्तृत आख्या उपलब्ध कराएं।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र करारी का जिलाधिकारी ने किया आकस्मिक निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ.अमित पाल ने आज नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, करारी का आकस्मिक निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर में निष्प्रयोज्य एम्बुलेंस खड़ी पाए जाने पर मुख्य चिकित्साधिकारी से दूरभाष पर वार्ता कर नियमानुसार नीलामी आदि की कार्यवाही कर निस्तारित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक न पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित किया जाए।

जिलाधिकारी ने ओ.पी.डी. रजिस्टर के अवलोकन के दौरान चिकित्साधिकारी डॉ. शोएब अंसारी से प्रतिदिन ओ.पी.डी. की जानकारी प्राप्त करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने दवा वितरण कक्ष के निरीक्षण के दौरान आवश्यक दवाओं की उपलब्धता की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि सर्पदंश की घटनाओं के दृष्टिगत एंटी स्नेक वेनम की पर्याप्त उपलब्धता हर समय सुनिश्चित रखी जाए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर मरीजों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

जिलाधिकारी ने लैब कक्ष के निरीक्षण के दौरान उपलब्ध जांच सुविधाओं एवं आज किए गए जांचों की जानकारी प्राप्त करते हुए चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि सभी आवश्यक जांच सुविधाएं सुचारु रूप से संचालित रहें एवं प्रत्येक मरीज को बेहतर चिकित्सीय सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं।

एक दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का किया आयोजन

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। नगर पंचायत दारानगर कड़ाधाम कार्यालय सभागार में बुधवार को सफाई कर्मियों के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कड़ा के अधीक्षक डॉ. मो. सऊद के कुशल निर्देशन में आयोजित हुआ जिसमें बड़ी संख्या में नगर पंचायत के सफाई कर्मियों के स्वास्थ्य की जाँच की गई।शिविर का शुभारंभ नगर पंचायत अध्यक्ष रागिनी देवी और अधिशाषी अधिकारी दिनेश कुमार सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ।इस दौरान नगर अध्यक्ष रागिनी देवी ने कहा कि सफाई कर्मी हमारे समाज की रीढ़ हैं जो विपरीत परिस्थितियों में भी नगर को स्वच्छ रखने का काम करते हैं। उनके स्वास्थ्य की देखभाल करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। वहीं अधिशाषी अधिकारी दिनेश कुमार सिंह ने कहा कि लगातार फील्ड में काम करने के कारण सफाई कर्मियों को मौसमी बीमारियों का खतरा बना रहता है जिसके लिए समय-समय पर ऐसे स्वास्थ्य शिविर बेहद जरूरी हैं।शिविर के दौरान सीएचसी कड़ा से आई डॉक्टरों की टीम ने सफाई कर्मियों के ब्लड प्रेशर, शुगर, आँखों की जाँच और सामान्य मौसमी बीमारियों का परीक्षण किया। साथ ही डॉक्टरों द्वारा उन्हें आवश्यक दवाइयां और स्वास्थ्य संबंधी परामर्श भी निःशुल्क उपलब्ध कराए गए। डॉक्टरों ने सफाई कर्मियों को ड्यूटी के दौरान मास्क, ग्लव्स का नियमित उपयोग करने और व्यक्तिगत स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी।

चरवा में कांग्रेसियों ने मनाया राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी का जन्मदिन

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। चायल विधानसभा अन्तर्गत नगर पंचायत चरवा में कांग्रेस जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय के नेतृत्व में राज्यसभा सांसद व राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी का जन्मदिन की पूर्व संध्या जरूरतमंदो के बीच केक काटकर फल मिठाई और अन्य जरूर की सामग्री वितरित कर उनका जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया इस दौरान जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने कहा कि आज हमारे नेता जो कि इतिहास में अजेय है उनके जन्मदिन जरूरतमंदो के बीच मनाया और उनके स्वस्थ एवं दीघार्यु होने की कामना की गई प्रमोद तिवारी उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि भारत की राजनीत के मजबूत माने जाते है रामपुर खास विधानसभा से

लगातार नौ बार विधायक रहें है उन्होंने जनता की सेवा और पार्टी को सदैव मजबूती प्रदान की है
उनका कुशल मार्गदर्शन और नेतृत्व हम सभी के राजनीतिक सफर को आसान बनाता है वे हम सब के आदर्श है इसके बाद पूर्व जिलाध्यक्ष तलत अजीम ने कहा कि प्रमोद तिवारी के जन्मदिन के मौके पर हम सभी उन्हें अपनी मुबारकबाद पेश करते हैं वो हम सब के लिए प्रेरणा है उनकी राजनीतिक सफर और अनुभव से हमे बहुत कुछ सीखने व समझने की आवश्यकता है
कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व प्रदेश सचिव रामबहादुर त्रिपाठी,पूर्व अध्यक्ष तलत अजीम,जिला उपाध्यक्ष दीपक पाण्डेय,रामसूरत रैदास उदय यादव,जिला नगर अध्यक्ष मंझनपुर संगीता कोरी,महासचिव सुरेन्द्र शुक्ला, श्याम सिंह भदौरिया,जिला सचिव जयप्रकाश जायसवाल,रमेश यादव,सोसल मीडिया जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय, नगर अध्यक्ष,चरवा निक्की पाण्डेय,संदीप कुमार, अवधेश कुमार, इंद्रपाल रैदास, बिफई लाल,छोटे लाल,व्यापार मंडल अध्यक्ष कैलाश केसरवानी,आर्यन त्रिपाठी,प्रियांशु त्रिपाठी,उमेश कुमार,पुष्पा कुमारी, रनिया देवी,बिट्टन देवी,रज्जन पासी, मुन्नू रैदास,बड़का रैदास,मोहम्मद माज,राजुला सेन,मोहम्मद नाजिम,मीना देवी, लालती देवी,नाथन लाल,रामदास राही सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हत्या के आरोपी से पुलिस की मुठभेड़, गोली लगने पर गिरफ्तार

खुर्जा देहात थाना क्षेत्र का मामला

सबसे तेज प्रयागराज

बुलंदशहर। खुर्जा देहात थाना पुलिस और स्वाट टीम देहात ने बुधवार को संयुक्त कार्रवाई के दौरान हत्या के एक वांछित आरोपी को पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। जवाबी फायरिंग में आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, खुर्जा में भर्ती कराया गया।
पुलिस के अनुसार, वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत ग्राम मुंडाखेड़ा से गवां जाने वाले मार्ग पर संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध युवक को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन उसने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी घायल हो गया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान लोकेश पुत्र जयपाल, निवासी ग्राम गवां, थाना खुर्जा देहात के रूप में हुई है। उसके कब्जे से एक अवैध 315 बोर तमंचा, एक जिंदा व एक खोखा कारतूस, मृतक का मोबाइल फोन तथा घटना में प्रयुक्त एक अन्य मोबाइल फोन बरामद किया गया है।
पुलिस के अनुसार, आरोपी पिछले रविवार को ग्राम गवां में जान मोहम्मद की हत्या के मामले में वांछित था। इस संबंध में थाना खुर्जा देहात में बीएनएस के तहत मामला दर्ज है।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह पहले ऑटो चलाता था। दुर्घटना में उसका ऑटो क्षतिग्रस्त होकर थाना खुर्जा नगर परिसर में खड़ा था। आरोप है कि उसने अपनी पत्नी के साथ मिलकर जान मोहम्मद का ऑटो हड़पने की योजना बनाई और उसी उद्देश्य से उसकी हत्या कर दी। घटना के बाद उसने ऑटो को गांव में ही छोड़ दिया।
पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध बरामदगी के आधार पर एक अन्य मुकदमा दर्ज कर लिया है। आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद उसे न्यायालय में पेश किया जाएगा। इस कार्रवाई को थाना खुर्जा देहात पुलिस और स्वाट टीम देहात ने संयुक्त रूप से अंजाम दिया।

दहेज हत्यारोपी वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । थाना कोखराज पर वादी विकास केशरवानी पुत्र श्री बीरेन्द्र कुमार केशरवानी निवासी बस स्टाप नया बाजार भरवारी थाना कोखराज जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी कि अपनी बहन का विवाह फाफामऊ निवासी गोपाल केशरी के साथ लगभग 2 माह पूर्व किया था, विवाह के बाद से ही उसके पति व अन्य परिजन अतरिक्त दहेज की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित करते थे जिससे वह परेशान होकर अपने मायके आ गयी थी तथा फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है । बुधवार थाना कोखराज पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त कमल कुमार केशरी पुत्र स्व0 ओमकार नाथ निवासी 124 पुरानी गली थाना फाफामऊ जनपद प्रयागराज को तिलैया टिकुर ब्रिज के नीचे भरवारी से गिरफ्तार किया गया ।

सैनी पुलिस वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में थाना सैनी पुलिस टीम द्वारा विद्युत अधिनियम थाना सैनी जनपद कौशाम्बी से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त वीरेन्द्र कुमार साहू पुत्र कल्लू राम साहू निवासी ग्राम डोरमा थाना सैनी जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया ।

एंटीरोमियो टीम ने महिलाओं को किया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । एसपी अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित अभियान 'मिशन शक्ति अभियान के फेज-5.0 के द्वितीय चरण' के तहत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करने व महिलाओं की सुरक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से जनपद के सभी थानों द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा ग्राम चौपाल लगाकर समस्याओं के त्वरित एवं विधिपूर्ण निस्तारण हेतु ग्रामीणों से संवाद कर जागरुक किया गया ।

बुधवार को अभियान के अंतर्गत सभी थानों की मिशन शक्ति / एंटीरोमियो टीमों द्वारा बाजारों, सार्वजनिक स्थलों पर जाकर बालिकाओं, महिलाओं एवं आमजन को मिशन शक्ति 5.0 अभियान के द्वितीय चरण के तहत जानकारी दी गई, साथ ही महिलाओं के प्रति अपराधों की रोकथाम व उनके अधिकारों की रक्षा एवं आत्मरक्षा के उपायों के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई । कार्यक्रमों के दौरान प्रतिभागियों को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, चिकित्सा सहायता 108, बाल सहायता नंबर 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा cybercrime.gov.in पोर्टल की जानकारी देकर इन सेवाओं के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया ।

खेत की तरफ गए किसान की करंट से मौत

मौत की जानकारी मिलते ही परिजनों में मचा कोहराम

सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र में अपने खेत की तरफ जा रहे एक किसान की करंट लगने से मौत हो गई,परिजनों को जैसे ही इसकी जानकारी हुई मौके पर पहुंचे और अस्पताल ले गए,जहा डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया,बुजुर्ग किसान की मौत से परिजनों में कोहराम मचा गया,घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।
जानकारी के मुताबिक कोखराज थाना क्षेत्र के बिसारा गांव निवासी किसान लल्लू यादव उम्र लगभग 75 वर्ष बुधवार

की सुबह अपने खेतों की तरफ गए थे। गांव के ही सिद्ध नाथ पांडेय के निजी नलकूप में बारिश की वजह से सीलन आ गई थी,जिसकी वजह से हाई टेंशन करंट उतर आया इस बात की जानकारी किसान को नहीं थी जैसे ही वह नलकूप की तरफ गए तो करंट की चपेट में आ गए। करंट से झुलसता देख स्थानीय लोगों ने विद्युत उपकेंद्र फोन कर लाइट कटाई।
घटना की जानकारी मिलते ही गांव और परिवार के लोग भी मौके पर पहुंच गए इसके बाद उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया,अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर ने शरीर की जांच करने के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर से परिजनों में कोहराम मच गया।घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

आपसी मतभेद भुलाकर साथ रहने का लिया निर्णय

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । शासन द्वारा संचालित मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 (द्वितीय चरण) के अंतर्गत महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के साथ-साथ पारिवारिक सौहार्द एवं महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में महिला सहायता प्रकोष्ठ/परिवार परामर्श केंद्र, पुलिस लाइन फतेहपुर द्वारा पति-पत्नी के मध्य उत्पन्न पारिवारिक विवादों का काउंसलिंग एवं मध्यस्थता के माध्यम से निराकरण किया जा रहा है।

बुधवार को परिवार परामर्श केंद्र में आयोजित काउंसलिंग के दौरान प्रकरण में प्रभारी निरीक्षक श्रीमती संगीता सिंह एवं काउंसलर श्रीमती साधना देवी तथा दयाशंकर वर्मा द्वारा दोनों पक्षों की सहमति से सफल समझौता कराया गया। काउंसलिंग उपरांत दम्पति ने आपसी वैचारिक मतभेद एवं मनमुटाव को समाप्त कर पुनः साथ रहने का निर्णय लिया। कार्यवाही के दौरान महिला आरक्षी शिप्रा पाठक एवं महिला आरक्षी यशस्वी शर्मा भी उपस्थित रहीं।

बीट पुलिसिंग को प्रभावी एवं तकनीक आधारित बनाने को एसपी ने की समीक्षा बैठक

हनुमान प्रसाद शुक्ल

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण द्वारा पुलिस कार्यालय स्थित दुर्गा भाभी सभागार में थाना मंझनपुर, थाना करारी, थाना पश्चिम शरीरा एवं थाना कोखराज के बीट आरक्षियों के साथ बैठक की गई। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने बीट बुक का अवलोकन करते हुए उसके नियमित एवं अद्यतन संधारण के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही बीट क्षेत्र की महत्वपूर्ण सूचनाओं, सक्रिय अपराधियों, हिस्ट्रीशीटरों, संवेदनशील स्थलों तथा जनसंपर्क संबंधी विवरणों को बीट बुक में व्यवस्थित रूप से अंकित करने की हिदायत दी।

इस अवसर पर यक्ष ऐप के प्रभावी संचालन एवं उपयोग के संबंध में भी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। पुलिस अधीक्षक ने निर्देशित किया कि सभी बीट आरक्षी ऐप पर उपलब्ध सुविधाओं का नियमित एवं प्रभावी उपयोग करें तथा बीट संबंधी सूचनाओं का समयबद्ध एवं शत-प्रतिशत फीडिंग सुनिश्चित करें, जिससे बीट पुलिसिंग को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं तकनीक आधारित बनाया जा सके। बीट पुलिसिंग को अधिक प्रभावी बनाने, आमजन से बेहतर संवाद स्थापित करने तथा कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

लावारिस और असुरक्षित दशा में पड़े नवाबगंज क्षेत्र में दर्जनों एटीएम बूथ

बार बार जनता की लुट रही है गाढ़ी कमाई

हनुमान प्रसाद शुक्ल

प्रयागराज। नवाबगंज क्षेत्र में दर्जनों एटीएम बूथ पूरी तरह असुरक्षित दशा में पड़े हैं। हथिगहां से लेकर कौड़िहार, नवाबगंज, महेशगंज, बेरावांरोड, रेरुआ, मंसूराबाद, भगवतीपुर, लालगोपालगंज, श्रृंगवेरपुरधाम जैसे प्रमुख जगहों पर विभिन्न बैंक संस्थानों द्वारा बीस से ज्यादा एटीएम बूथ बना तो दिए गए हैं पर ताज्जुब इस बात का है कि किसी भी एटीएम बूथ पर गार्ड तैनात नहीं हैं।

रात हो या दिन चौबीस घंटे एटीएम बूथों के गेट खुली दशा में लावारिस पड़े रहते हैं। खास बात यह है कि इनमें से ज्यादातर एटीएम बूथ प्रयागराज - लखनऊ वाया रायबरेली राजमार्ग पर

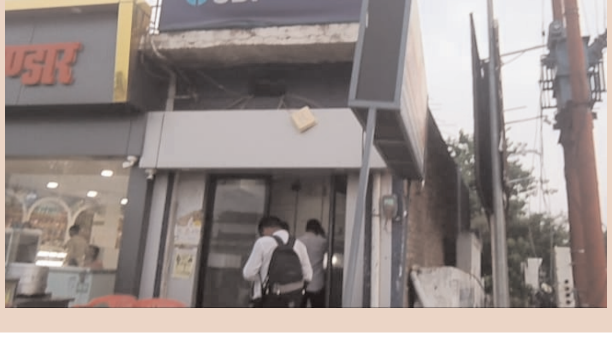

मौजूद हैं।
लावारिस और पूरी तरह असुरक्षित इन बूथों की दशा हास्यास्पद बनी हुई है।
आए दिन इन एटीएम बूथों से उपभोक्ता की गाढ़ी कमाई लुट रही है।
इसके बावजूद एटीएम प्रबंधन और नवाबगंज थाना क्षेत्र की पुलिस इस गंभीर समस्या की तरफ से पूरी तरह आंख मूंदे हुए है। कई घटनाएं होने के बावजूद पुलिस और आत्म प्रबंधन से जुड़े लोगों ने वारदात को रोकने की कोई कोशिश नहीं की है। इससे क्षेत्रीय जनता में असंतोष व्याप्त है। जिला प्रशासन और एटीएम प्रबंधन से इन लावारिस पड़े एटीएम बूथों की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की गई है।

राज्य आयुक्त, दिव्यांगजन की अध्यक्षता में मोबाइल कोर्ट का हुआ आयोजन, 131 मामलों की हुई सुनवाई

18 वर्ष से ऊपर आयु के दिव्यांगों को स्थायी प्रमाणपत्र निर्गत करने के दिए निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । राज्य आयुक्त, दिव्यांगजन, उत्तर प्रदेश प्रो0 हिमांशु शेखर झा की अध्यक्षता में बुधवार को सर्किट हाउस के सभागार में दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 की मूल भावना के अनुरूप सुदूरवर्ती एवं पिछड़े क्षेत्रों/ग्रामीण इलाकों के दिव्यांगजनों, जो सरकार द्वारा उनके अधिकारों एवं सुविधाओं हेतु संचालित विभिन्न योजनाओं एवं परियोजनाओं से पूर्णतः जागरूक नहीं हैं, के मध्य जागरूकता बढ़ाने, समाज में उनके साथ होने वाले भेदभाव को समाप्त करने, उन्हें समान अवसर एवं पूर्ण एवं प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित कराने तथा उनकी शिकायतों एवं समस्याओं का स्थानीय स्तर पर त्वरित निस्तारण कराने के उद्देश्य से जनपद प्रयागराज में मोबाइल कोर्ट का आयोजन किया गया।

मोबाइल कोर्ट के दौरान दिव्यांग प्रमाण-पत्र (यू०डी०आई०डी०), राशन कार्ड, आवास, आयुष्मान कार्ड, दिव्यांग पेंशन एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित कुल 131 शिकायतें/प्रार्थना-पत्रों पर सुनवाई हुई। राज्य आयुक्त के द्वारा मोबाइल कोर्ट में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

राज्य आयुक्त, दिव्यांगजन के द्वारा मुख्य चिकित्साधिकारी को दिव्यांगजनों के दिव्यांगता प्रमाण-पत्र से सम्बंधित लम्बित प्रकरणों के शीघ्रता से निस्तारण करने के लिए मेडिकल बोर्ड की प्रत्येक सप्ताह 03 दिन बैठक कराकर दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी कराने के निर्देश दिए गए। उन्होंने 03 वर्ष से अधिक का समय पूर्ण कर चुके सदस्यों को मेडिकल बोर्ड से हटाते हुए 07-08 विशेषज्ञ चिकित्सकों को सम्मिलित कर दिव्यांग प्रमाण-पत्र निर्गत करने हेतु मेडिकल बोर्ड को पुनर्गठित किए जाने के लिए कहा।

राज्य आयुक्त दिव्यांगजन ने भारत सरकार के 12 मार्च, 2024 के दिशा-निर्देशों के अनुसार 18 वर्ष से अधिक उम्र के दिव्यांगजन का अस्थायी दिव्यांग प्रमाण-पत्र निर्गत ना किया जाए एवं सरकार से इम्पैनल्ड अस्पतालों से प्रस्ताव प्राप्त कर एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी से अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त कर नियमानुसार विचार करते हुए बेरा-बेरा परीक्षण की सुविधा सुनिश्चित किया जाए, जिससे श्रवणबाधित दिव्यांगजन को दिव्यांग प्रमाण-पत्र निर्गत करने में किसी प्रकार की असुविधा ना हो। उन्होंने दिव्यांगजन से सम्बन्धित प्रकरण की सुनवाई के लिए सभी विभागीय अधिकारियों को जनसुनवाई हेतु पृथक से समय-सारिणी निर्गत कर जनसुनवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जनपद में विभिन्न क्षेत्र जैसे- खेल, साहित्य, संस्कृति, समाज-सेवा आदि में दिव्यांग ऑइकन नियुक्त कर दिव्यांगजन के सर्वांगीण विकास हेतु प्रोत्साहित किए जाने के लिए कहा। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी विभाग का कार्यालय ऊपरी तल पर हो तो यथा सम्भव भूतल पर कक्ष आवंटित कराते हुए दिव्यांगजनों की समस्याओं की सुनवाई की जाये तथा उनका निस्तारण किया जाये, जिससे दिव्यांगजनों को कोई असुविधा न हो।

मोबाइल कोर्ट के दौरान राज्य आयुक्त, दिव्यांगजन, उत्तर प्रदेश महोदय द्वारा पात्र दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर 25 श्रवण यंत्र, 10 एम०आर० किट, 03 व्हीलचेयर तथा 01 स्मार्ट केन का वितरण किया गया। राज्य आयुक्त महोदय ने कहा कि ऐसे सहायक उपकरण दिव्यांगजनों के जीवन को अधिक सुगम एवं आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा शासन दिव्यांगजनों के कल्याण एवं सशक्तीकरण के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

मोबाइल कोर्ट के दौरान मौके पर ही 25 दिव्यांगजन को दिव्यांग प्रमाण-पत्र/यू0डी0आई0डी0 कार्ड एवं 05 दिव्यांगजन को अन्त्योदय राशन कार्ड निर्गत किए गए। दिव्यांगजनों के आवास उपलब्ध कराए जाने हेतु परियोजना निदेशक, ग्राम्य विकास विभाग, प्रयागराज को निर्देशित किया गया कि पात्र दिव्यांगजनों के आवेदनों का शीघ्र सत्यापन कराकर प्राथमिकता के आधार पर आवास उपलब्ध कराया जाए। मोबाइल कोर्ट में उपस्थित दिव्यांगजन द्वारा अपनी-अपनी समस्याओं से राज्य आयुक्त महोदय को अवगत कराया। राज्य आयुक्त महोदय द्वारा संबंधित अधिकारियों को सभी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर अपर नगर मजिस्ट्रेट तृतीय, उप निदेशक, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, प्रयागराज मण्डल, परियोजना निदेशक ग्राम्य विकास विभाग, मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, अधिशासी अभियंता (विद्युत), अधिशासी अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, लीड बैंक के अधिकारी, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, मण्डल रेल प्रबन्धक, प्रयागराज एवं अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

प्रयागराजः राष्ट्रीय किसान महापंचायत की तैयारियों को लेकर अधिकारियों को सौंपा ज्ञापन

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। आगामी 21 जुलाई 2026 को जिला कलेक्ट्रेट/कमिश्नरी परिसर, प्रयागराज में आयोजित होने वाली "धन्यवाद राष्ट्रीय किसान महापंचायत" को सफल एवं सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से भारतीय किसान यूनियन के मंडल अध्यक्ष बबलू दूबे एवं जिला अध्यक्ष शनि शुक्ला के नेतृत्व में प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में महापंचायत के दौरान साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, चलते-फिरते शौचालय, 10 पानी के टैंकर उपलब्ध कराने सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की मांग की गई। साथ ही प्रयागराज जनपद के वरिष्ठ अधिकारियों का सम्मान किए जाने तथा भूमाफियाओं के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने की भी मांग उठाई गई। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. अजय पाल शर्मा तथा अपर पुलिस आयुक्त (नगर) मनीष कुमार शांडिल्य को अलग-अलग ज्ञापन सौंपे गए। ज्ञापन सौंपने के दौरान अजय सिंह (युवा मंडल), चंचल मिश्रा (युवा मंडल उपाध्यक्ष), राजेंद्र कुमार (मंडल सचिव), नरेंद्र पटेल (तहसील संगठन मंत्री), ज्ञान सिंह पटेल (ब्लॉक अध्यक्ष) सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कब्रिस्तान के अंदर खेल रहे थे जुआ, पांच गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । अतरसुइया थाना पुलिस ने दरियाबाद पीपल चौराहा स्थित कब्रिस्तान के अंदर सार्वजनिक स्थान पर हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से ५२ ताश के पत्ते, मालफड़ से ४,८१० रुपये नकद, आरोपितों की तलाशी में ४८० रुपये तथा तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, मुखबिर की सूचना पर दरियाबाद पीपल चौराहा स्थित कब्रिस्तान में छापेमारी की गई। वहां जुआ खेलते मिले वसीम अहमद, मोनू, गुफरान, शानदार हुसैन उर्फ मोटू और परवेज खान को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस द्वारा वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज । थाना जार्जटाउन पुलिस द्वारा धोखाधड़ी से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त सदन लाल यादव पुत्र स्व0 भोला निवासी 16/5 जवाहर लाल नेहरू रोड़ थाना जार्जटाउन जनपद प्रयागराज को मुखबिर की सूचना पर बुधवार को उसके घर म0नं0 16/5 जवाहर लाल नेहरू रोड़ थाना क्षेत्र जार्जटाउन से गिरफ्तार किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

दुष्कर्म बाल अपचारी पुलिस द्वारा पुलिस संक्षरण में लिया

प्रयागराज । थाना खुल्दाबाद पुलिस द्वारा पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित वांछित एक बाल अपचारी को माली पार्क अटाला थाना क्षेत्र खुल्दाबाद से पुलिस संरक्षण में लिया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

मोबाइल चोर को जीआरपी पुलिस ने पकड़ा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । पुलिस महानिदेशक रेलवे, पुलिस महानिरीक्षक रेलवे प्रयागराज, पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रयागराज द्वारा रेलवे स्टेशन, सकुर्लेटिंग एरिया एवं ट्रेनो में बढ़ती चोरी/छिनैती की घटनाओं की रोकथाम, अवैध तस्करी एवं अपराधियों की गिरफ्तारी व बरामदगी के मद्देनजर चलायें जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी रेलवे प्रयागराज अरूण कुमार पाठक के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक अकलेश कुमार सिंह थाना जीआरपी प्रयागराज के कुशल नेतृत्व में उ०नि० भानु प्रताप थाना जीआरपी प्रयागराज द्वारा रेलवे स्टेशन प्रयागराज जं० प्लेटफार्म नं0 01 के दिल्ली इण्ड से 100 कदम आगे कालोनी गेट के पास से समय करीब 12.25 बजे एक शातिर चोर वाहिद उर्फ सलमान को गिरफ्तार कर कब्जे से चोरी की एक अदद मोबाईल बरामद किया गया।

सीएचसी से जनरेटर चोरी, फूलपुर पुलिस ने दो दिन बाद भी दर्ज नहीं की एफआईआर

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) प्रतापपुर परिसर से जनरेटर चोरी होने के मामले में दो दिन बीत जाने के बाद भी थाना फूलपुर में मुकदमा दर्ज नहीं हो सका है। अस्पताल अधीक्षक की ओर से 13 जुलाई को थाने में लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की गई थी।

अधीक्षक की तहरीर के मुताबिक, सीएचसी प्रतापपुर परिसर स्थित पंप हाउस के कमरे में रखा जनरेटर 13 जुलाई की सुबह करीब 9:30 बजे चोरी हो गया। वार्ड बॉय राम सिंह ने बताया कि कुछ लोग जनरेटर को पंप कक्ष से लादकर ले जा रहे थे। रोकने का प्रयास करने पर वे जबरन जनरेटर लेकर फरार हो गए।

वार्ड बॉय का दावा है कि उसने जनरेटर ले जाने वालों की पहचान कर ली है। अस्पताल अधीक्षक ने तहरीर में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जनरेटर बरामद करने और आवश्यक कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

अधीक्षक ने बताया कि तहरीर दिए जाने के दो दिन बाद भी थाना फूलपुर में इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। उन्होंने पुलिस से जल्द कार्रवाई की अपेक्षा जताई है।

बमरौली बमबाजी-फायरिंग में दस दिन बाद भी चार आरोपी फरार

फरार आरोपी ने लगाई अग्रिम जमानत की अर्जी

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के बमरौली गांव में हुई बमबाजी और फायरिंग के चर्चित मामले में फरार नामजद आरोपी अबू तलहा ने अग्रिम जमानत के लिए अदालत में अर्जी दाखिल की है। उसकी याचिका पर 17 जुलाई को सुनवाई होगी। यह अर्जी 13 जुलाई को दाखिल की गई थी।

घटना के 10 दिन बाद भी पुलिस चार नामजद आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। फरार आरोपियों में अबू तलहा, उसका भाई दानिश, शमशुलऐन और शोएब शामिल हैं।

अबू तलहा पूरामुफ्ती के मंदर मोड़ का रहने वाला है। इस मामले में उसके दो भाई दानिश और अबू उजैफा भी नामजद हैं। दानिश को माफिया अतीक अहमद के शूटर रहे आबिद प्रधान का दामाद बताया जा रहा है।

पुलिस का कहना है कि फरार आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है। अब तक इस मामले में तीन आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है। 7 जुलाई को सलीम और 8 जुलाई को एहतेशाम व अबू उजैफा को गिरफ्तार किया गया था। तीनों के खिलाफ पहले से भी आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

सूत्रों के अनुसार, अधिकांश आरोपी एक ही परिवार से जुड़े हैं और आरोपित अतीक अहमद के शूटर रहे आबिद प्रधान के रिश्तेदार है। कुछ दिन पहले भी इन्हीं लोगों के खिलाफ रास्ता रोककर मारपीट और वाहन में तोड़फोड़ का मुकदमा दर्ज हुआ था।

पांच जुलाई की शाम करीब 6:30 बजे बमरौली गांव में थार सवारों पर बमबाजी और फायरिंग से इलाके में दहशत फैल गई थी। आरोप है कि सलीम ने पहले थार गाड़ी पर दो बम फेंके और फिर तमंचे से फायरिंग की। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी, जिसका वीडियो भी वायरल हुआ।

गिरफ्तारी के बाद सलीम ने पूछताछ में तमंचे से फायरिंग करने की बात स्वीकार की। वहीं वादी मसरूर ने अपनी तहरीर में आरोप लगाया है कि हमलावरों ने तमंचे के साथ राइफल से भी गोलियां चलाईं और बमबाजी की। इस मामले में सात नामजद समेत कुल नौ आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज है।

एडीएम नगर की अध्यक्षता में विश्वकर्मा पोर्टल के क्रियान्वयन के सम्बंध में बैठक सम्पन्न

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देशन एवं अपर जिलाधिकारी (नगर) सत्यम मिश्र की अध्यक्षता में बुधवार को जनपद प्रयागराज में समस्त मार्गों के निर्माण सम्बंधी विभागों द्वारा विश्वकर्मा पोर्टल को अपनाये जानें के सम्बंध में सम्पन्न हुई। बैठक में चर्चा की गयी की उ0प्र0 में सड़कों के निर्माण और रख-रखाव की प्राथमिकता जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग की है। इसके अतिरिक्त अन्य विभाग भी अपनी सड़कों का स्वामित्व रखते हैं और उनका रख-रखाव करते हैं। बैठक का उद्देश्य जीआईएस आधारित सड़क सूचना

प्रणाली के लिए एकीकृत डेटाबेस बनाने और विभिन्न विभागों के बीच विसंगतियों को दूर करने हेतु प्रदेश में सभी सड़कों की मैपिंग किया जाना प्रस्तावित है।

मैपिंग के पश्चात किसी भी सड़क के नव-निर्माण, चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण और नवीनीकरण आदि (किसी भी गतिविधि) पर स्वीकृति प्राप्त करने के लिए रोड कोड अनिवार्य होगा। समस्त विभागों के कार्य में पारदर्शिता एवं धन का उचित आवंटन द्वारा मार्गों का कुशलता पूर्वक प्रबंधन, नियोजन और रख-रखाव सुनिश्चित किया जा सकेगा।

इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार की दोहरी स्वीकृति निर्गत किया जाना सम्भव नहीं हो सकेगा। निर्देशित किया गया कि समस्त मार्ग निर्माण सम्बंधी विभाग/कार्यदायी संस्थायें लोक निर्माण विभाग से आवश्यक समन्वय/सम्पर्क स्थापित करते हुए निर्धारित एसओपी के माध्यम से विश्वकर्मा पोर्टल पर जियो मैपिंग का कार्य कराना सुनिश्चित करें।

इनर व्हील क्लब लगातार सामाजिक कार्यों में निभा रहा है सक्रिय भूमिका : अनिता जैन

कानपुर। महिला सशक्तिकरण के साथ गरीब, असहाय और जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए संस्था पहले की तरह लगातार कार्य करती रहेगी। शिक्षा, विवाह और समाजसेवा से जुड़े हर अभियान को आगे बढ़ाया जाएगा। यह बातें बुधवार को इनर व्हील क्लब ऑफ कानपुर वेस्ट की नवनिर्वाचित अध्यक्ष अनिता जैन ने 56वें अधिष्ठान एवं कॉलर एक्सचेंज समारोह में कहीं।

अंतरराष्ट्रीय सामाजिक संस्था इनर व्हील क्लब ऑफ कानपुर वेस्ट का 56वां अधिष्ठान एवं कॉलर एक्सचेंज समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन डॉ. मनीषा बाजपेयी की उपस्थिति में हुआ। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष नीलम धवन ने अध्यक्ष पद का दायित्व अनिता जैन को सौंपा। अनिता जैन ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण करने के बाद संस्था की नई जिम्मेदारी संभाली।

अनिता जैन ने कहा कि इनर व्हील क्लब लगातार सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। संस्था गरीब और असहाय लोगों की आर्थिक सहायता, जरूरतमंद बेटियों के विवाह, शिक्षा तथा अन्य सामाजिक कार्यों में निरंतर योगदान दे रही है।

उन्होंने कहा कि अध्यक्ष के रूप में उनका प्रयास रहेगा कि संस्था की सभी गतिविधियों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जाए।

उन्होंने बताया कि वह एक महिला होने के नाते महिला सशक्तिकरण को अपनी प्राथमिकता बनाएंगी और सरकार की महिला कल्याण संबंधी योजनाओं को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का प्रयास करेंगी। उन्होंने बताया कि क्लब में करीब 120 महिला सदस्य हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों में समाजसेवा की जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रही हैं।

समारोह में डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी आरती मेहरोत्रा, डिस्ट्रिक्ट एडिटर निर्मला सिंह, पीडीसी संध्या गुप्ता, क्लब सचिव पाली सेठ, कोषाध्यक्ष स्मृति रस्तोगी, आईएसओ सुनीता जैन, एडिटर रश्मि टंडन, सीमा सचदेव, रुचि सेठ, नम्रता मेहता, निधि, नीना सहित बड़ी संख्या में सदस्याएं मौजूद रहीं। कार्यक्रम में गणेश वंदना की प्रस्तुति आकृति जैन ने दी।

मासूम को धमकाकर रुपये और जेवर मंगवाने का आरोप, व्यापारियों ने थाने में दिया ज्ञापन

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। फूलपुर कस्बे के लोचनगंज मोहल्ले में 12 वर्षीय किशोर को जान से मारने की धमकी देकर घर से रुपये और बाद में लाखों रुपये के जेवर मंगवाने के आरोप वाले मामले में बुधवार को व्यापारियों का आक्रोश सामने आया। बड़ी संख्या में व्यापारी फूलपुर थाने पहुंचे और प्रभारी निरीक्षक को ज्ञापन सौंपकर 24 घंटे के भीतर घटना का खुलासा कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की।

व्यापारियों का कहना है कि बौड़ई बाजार में जलेबी की दुकान लगाने वाले लालजी केशरवानी के 12 वर्षीय बेटे को तीन लोगों ने कथित रूप से लगातार धमकाया। आरोप है कि पहले किशोर से घर से रुपये मंगवाए गए और नकदी खत्म होने के बाद उसे डराकर घर में रखे लाखों रुपये के जेवर लाने के लिए मजबूर किया गया।

घटना की जानकारी होने के बाद पीड़ित परिवार ने फूलपुर थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की थी। व्यापारियों का आरोप है कि अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से लोगों में नाराजगी है।

बुधवार को व्यापारी और स्थानीय लोग थाने पहुंचे और पुलिस को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में चेतावनी दी गई कि यदि 24 घंटे के भीतर मामले का खुलासा कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो व्यापारी फूलपुर बाजार बंद कर धरना-प्रदर्शन और चक्का जाम करने को बाध्य होंगे। व्यापारियों ने कहा कि एक मासूम बच्चे को धमकाकर अपराध कराना गंभीर मामला है और इसमें तत्काल कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

रिंग रोड के निर्माण में आ रही बाधाओं को दूर करने एवं लंबित प्रकरणों के निस्तारण के संबंध में डीएम ने की बैठक

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में प्रयागराज इनर रिंग रोड के निर्माण में आ रही बाधाओं को दूर करने एवं लंबित प्रकरणों के निस्तारण के संबंध में बुधवार को एनआईसी सभागार में बैठक आयोजित की गई तथा परियोजना निदेशक एवं सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये गये`

जिलाधिकारी ने निमार्णाधीन रिंग रोड परियोजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्य में आ रही बाधाओं एवं लंबित प्रकरणों के निस्तारण के संबंध में विस्तृत जानकारी ली जिसपर अपर जिलाधिकारी श्री संजीव कुमार शाक्य एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों ने परियोजना की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया तथा निर्माण में आ रही समस्याओं तथा विभिन्न स्तरों पर लंबित मामलों की जानकारी प्रस्तुत की।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि भूमि अधिग्रहण, मुआवजा वितरण, कब्जा लिए जाने, अतिक्रमण हटाने तथा अन्य प्रशासनिक एवं तकनीकी प्रकरणों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि रिंग रोड परियोजना जनहित की महत्वपूर्ण योजना है, इसलिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए कार्यों में आ रही बाधाओं को प्राथमिकता के आधार पर दूर करें।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि परियोजना की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलंब न होने पाए।

रोजगार मेला में 728 प्रशिक्षार्थियों का किया गया चयन

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। उ0प्र0 कौशल विकास मिशन, राजकीय आई0टी0आई0 एवं क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय प्रयागराज के संयुक्त तत्वाधान में मां गायत्री महाविद्यालय मवैया नैनी में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले में निजी क्षेत्र की कम्पनी एक्साइड इंडस्ट्रीज, सिल्वर स्पार्क, शाही एक्सपोर्ट, गोकुलदास इंडिया, अरविंद मिल्स, जेएसडब्ल्यू पेंट्स, एबी पीपल कार्ड प्राइवेट लिमिटेड, ब्लिंकिट आदि 22 कम्पनियों में 1651 प्रशिक्षार्थियों ने प्रतिभाग किया। इसमें 728 प्रशिक्षार्थियों का चयन विभिन्न कम्पनियों द्वारा किया गया है। इस अवसर पर कौशल विकास के जिला समन्वयक अशोक कुमार, मां गायत्री ग्रुप कॉलेज के डायरेक्टर डॉक्टर अनिल श्रीवास्तव, कौशल विकास के मैनेजर अभिषेक शुक्ला, अरविंद चौरसिया, डीपीएम सुभाष कुमार एवं जिला सेवायोजन कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।

अम्बेडकरनगर की रम्या सिंह को मिलेगा कुलाधिपति स्वर्ण पदक

राजर्षि टंडन विश्वविद्यालय में 17 को दिए जाएंगे 26 स्वर्ण पदक

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज का 21वां दीक्षान्त समारोह 17 जुलाई को पूर्वान्ह 10.00 बजे सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया है। दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल करेंगी। मुख्य अतिथि पद्मश्री मालिनी अवस्थी दीक्षान्त उद्बोधन देंगी। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय तथा रजनी तिवारी, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

21वें दीक्षान्त समारोह में विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले 26 शिक्षार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किये जायेंगे, जिनमें 20 स्वर्ण पदक छात्राओं तथा 6 स्वर्ण पदक छात्रों को मिलना है। सत्र दिसम्बर-2025 तथा जून-2026 की परीक्षा के सापेक्ष उत्तीर्ण 30886 शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की जायेगी, जिसमें 17778 पुरूष तथा 13098 महिला शिक्षार्थी हैं। इस अवसर पर उपाधियों को डिजीलॉकर में अपलोड कर प्रसारित किया जायेगा। बुधवार को हुई प्रेसवार्ता में कुलपति प्रो0 सत्यकाम ने इस आशय की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दीक्षान्त समारोह में उपाधि प्राप्त करने के लिये लगभग 2000 शिक्षार्थियों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया है। उन्हें इस समारोह में उपाधियां प्रदान की जायेंगी।

प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि 21वें दीक्षान्त समारोह में कुलाधिपति स्वर्ण पदक अध्ययन केन्द्र देव इन्द्रावती

महाविद्यालय अम्बेडकरनगर के स्नातक विज्ञान की छात्रा सुश्री रम्या सिंह को दिया जायेगा। सुश्री रम्या ने बीएससी की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की तथा वे समस्त विद्याशाखाओं की स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं में उत्तीर्ण समस्त स्नातक/परास्नातक शिक्षार्थियों में सर्वश्रेष्ठ रहीं हैं। उल्लेखनीय है कि सुश्री रम्या सिंह को सर्वाधिक चार स्वर्ण पदक प्रदान किया जायेगा।

इसके अलावा विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक इस बार स्नातकोत्तर वर्ग में विद्याशाखाओं के 7 टापर्स को दिए जा रहे हैं। जिसमें मानविकी विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक लाल बहादुर शास्त्री पीजी कालेज गोण्डा अध्ययन केंद्र के एमए (पत्रकारिता एवं जनसंचार) के छात्र शोभित मौर्या, समाज विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक बीएम मेमोरियल डिग्री कालेज, अम्बेडकरनगर अध्ययन केंद्र के एम.ए. (समाजशास्त्र) की छात्रा श्रेया यादव, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक अध्ययन केन्द्र विश्वविद्यालय मुख्य परिसर, प्रयागराज के एमकॉम की छात्रा रिदम पाण्डेय, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक अध्ययन केन्द्र विश्वविद्यालय मुख्य परिसर प्रयागराज के एमसीए के छात्र राहुल कुमार मिश्रा को दिया जाएगा। इसके अलावा शिक्षा विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक अध्ययन केंद्र, जीएसए कालेज आफ एजूकेशन आगरा के एम.ए. (शिक्षाशास्त्र) की छात्रा कुमारी दीपिका राठौर, विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक अध्ययन केंद्र राम लगन महाविद्यालय मऊ के एम.एस.सी. (जैव रसायन) की छात्रा हया मतलूब, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक अध्ययन केंद्र रघुनाथ गर्ल्स पीजी कालेज, मेरठ के एमएससी (फूड एण्ड न्यूट्रीशन) की छात्रा तान्या त्यागी को दिया जायेगा। प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि स्नातक वर्ग में विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक इस बार विद्याशाखाओं के 6 टापर्स को दिये जायेंगे। 12 मेधावी शिक्षार्थियों को दानदाता स्वर्ण पदक से भी सम्मानित किया जायेगा। अन्य कई लोगों को विभिन्न नाम के स्मृति सम्मान दिए जाएंगे।

संपादकीय

पंजाब में चुनावी आहट से गरमाता राजनीतिक परिदृश्य

पंजाब में विधानसभा चुनावों की आहट से सियासी तापमान अपने चरम पर पहुंचता नजर आ रहा है। आम आदमी पार्टी के मंत्रियों पर ईडी की कार्रवाई और गिरफ्तारी आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं को रास नहीं आ रही। जवाब में आप कार्यकताओं द्वारा भाजपा कार्यालयों पर "हल्ला बोल" कार्यक्रम भी भाजपा को नागवार गुजर रहे हैं। इस समय पंजाब में दोनों पार्टियां एक-दूसरे के आमने-सामने खड़ी हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान बार-बार दोहरा रहे हैं कि 2027 के विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी फिर से सत्ता में आएगी, लेकिन राजनीतिक पंडितों का मानना है कि यह इतना आसान नहीं होगा।

चंडीगढ़ स्थित पंजाब सचिवालय में मुख्यमंत्री कम ही दिखाई देते हैं। अधिकांश मंत्री अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में व्यस्त हैं और सोशल मीडिया पर अपने दौरे डाल रहे हैं। सूत्रों के अनुसार अब सचिवालय में काम करवाने आने वालों की संख्या भी कम हो गई है। कभी आम आदमी पार्टी की टोपियों से भरा दिखने वाला सचिवालय अब खाली-खाली लगता है। चंडीगढ़ और आसपास तैनात आईएएस-आईपीएस अधिकारी भी निजी तौर पर मानने लगे हैं कि 2027 का चुनाव आप के लिए बड़ी चुनौती है। अकेले बिजली बिल माफ करके चुनाव नहीं जीते जा सकते। सचिवालय के गलियारों में हवा बदल रही है। अब अफसरशाही कांग्रेस नेताओं से संपर्क बढ़ा रही है। उनके फोन पर काम हो रहे हैं। एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, "जब तक आप की सरकार है, हमें उनकी हां में हां मिलानी होगी। लेकिन कांग्रेस नेता बता रहे हैं कि पिछले चार साल में जिन अधिकारियों ने हमारी नहीं सुनी, अब वे हमारी बात ध्यान से सुन रहे हैं।" वरिष्ठ पत्रकार जे.एस. कुमार का कहना है, "जब सत्ता का रुख बदलने वाला होता है तो उसे सबसे पहले सचिवालय में भांपा जा सकता है।"

राजनीतिक गलियारों में माना जा रहा है कि आम आदमी पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र कमजोर हुआ है। दिल्ली हार के बाद केजरीवाल और सिसोदिया का पंजाब पर नियंत्रण बढ़ गया है। सत्ता का केंद्र अब दिल्ली में है। पार्टी के अंदर असंतोष की चिंगारी कभी भी बड़ी आग बन सकती है। कई विधायक मानते हैं कि उनका भविष्य आप में सुरक्षित नहीं है। चुनाव नजदीक आते ही पार्टी में टूट-फूट की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

पंजाब कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल द्वारा सभी 117 विधानसभा सीटों पर रैली की घोषणा के बाद अफसरशाही पर इसका असर दिखने लगा है। चंडीगढ़ के एक वरिष्ठ पत्रकार के अनुसार अधिकारी अब सत्ता और विपक्ष के बीच संतुलन बनाने में लगे हैं। सचिवालय की कैंटीन में भी चर्चा है कि "आप की सरकार जाने वाली है, चन्नी की सरकार फिर आ सकती है।" एक कर्मचारी ने कहा, "चुनाव आते ही अधिकारी अपना व्यवहार बदल लेते हैं ताकि नई सरकार में उन्हें अच्छे पद मिल सकें। पिछले चुनाव में भी ऐसा ही हुआ था जब अधिकारी भगवंत मान को भावी मुख्यमंत्री मानने लगे थे।" सूत्रों का दावा है कि कुछ डिप्टी कमिश्नर और एसएसपी मुख्यमंत्री को गलत रिपोर्ट दे रहे हैं कि उनकी स्थिति मजबूत है। फिरोजपुर-फाजिल्का के जिला अध्यक्ष सरकार की चमचागिरी में सबसे आगे हैं।

वैसे भी भगवंत मान सरकार ने विज्ञापनों पर जितना खर्च किया, उतने काम जमीन पर नहीं दिखे। वर्तमान में कर्मचारी वर्ग और पेंशनर सरकार से नाराज हैं। राज्य सरकार का खजाना खाली है। बिजली के लंबे कट और सड़कों की दुर्दशा से लोग परेशान हैं। पंजाब की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है और राज्य में आत्महत्याओं का ग्राफ बढ़ रहा है।

वहशी दरिंदों को मिले त्वरित दण्ड

(डॉ. सुधाकर आशावादी)

राजस्थान के श्रीगंगानगर में तेरह वर्षीय बालिका के साथ पांच दिन तक तक की गई दरिंदगी की घटना ने राजस्थान की कानून व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया है। देश भर में वहशी दरिंदों के इस प्रकार के किस्से प्रकाश में आते रहते हैं। यह गंभीर चिंता का विषय है। भले ही राजस्थान पुलिस द्वारा कुछ आरोपियों को गिरफ्तार करके दरिंदगी स्थलों को ध्वस्त कर दिया गया हो, लेकिन दरिंदगी करने वाले तत्वों में कानून का भय न होना यह दशार्ता है, कि समाज नैतिकता और महिला सम्मान जैसे मूल्यों के प्रति उदासीन होता जा रहा है।

ऐसा प्रतीत होता है कि यह घटना दिल्ली में 16 दिसंबर 2012 को 23 वर्षीय निर्भया के साथ किये गए सामूहिक बलात्कार एवं हत्या से भी अधिक जघन्य है। फिर भी इस सत्य को नकारा नहीं जा सकता, कि समाज में यौन स्वच्छंदता का खुलापन, सोशल मीडिया पर अश्लील कंटेंट से जुड़े वीडियो,देर सबेर बालिकाओं व युवतियों का घर से बाहर अकेले निकलना भी इस प्रकार की घटनाओं को अंजाम देने में सहायक सिद्ध होता है। कई बार ऐसी घटनाएँ प्रकाश में आई हैं, जब रिक्शा या टेम्पों चालक द्वारा सुनसान स्थल पर पर जघन्य अपराधों को अंजाम दिया जाता है। विचारणीय बिंदु यह भी है, कि नित्य न जाने इस प्रकार की कितनी घटनाएँ घटित होती हैं, जिनका पता ही नहीं चलता। कौन नहीं जानता कि 9 अगस्त 2024 को कोलकाता के आर जी कर मेडिकल कालेज व अस्पताल में रात्रि ड्यूटी पर तैनात 31 वर्षीय ट्रेनी डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या की वीभत्स घटना घटित हुई थी।

नारी के विरुद्ध अपराधों के चलते कठोर कानून भी हैं, किन्तु उन कानूनों से भी अपराधियों में खौफ न होना चिंताजनक है। विडंबना है कि सभी सरकारें नारी सुरक्षा का ढिंढोरा तो पीटती हैं, मगर सफेदपोश अपराधियों के विरुद्ध कार्यवाही करने से परहेज भी करती हैं। कुछेक मसलों में राजनीतिक दल अपराधी और पीड़िता की जातीय स्थिति के आधार पर विरोध व समर्थन जैसे कृत्य से पीछे नहीं हटते। आवश्यकता यही है कि दरिंदगीपूर्ण घटनाओं पर आरोपी दरिंदों के विरुद्ध सजा का फैसला अल्पसमय में किया जाना चाहिए, ताकि दरिन्दे बेखौफ होकर दरिंदगी करने का दुस्साहस न कर सकें।

कूटनीति के कैनवास पर भारत का उभरता नया स्वरूप

अशोक भाटिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की ऐतिहासिक यात्रा के बाद स्वदेश लौटे हैं। वे इन देशों से भारत के लिए रक्षा व सुरक्षा सहयोग, महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारी, व्यापार, तकनीक, शिक्षा और समुद्री सुरक्षा के कई महत्वपूर्ण समझौते लाए हैं। आज जब वैश्विक भू-राजनीति के वर्तमान दौर में, महाशक्तियों के बीच वर्चस्व की होड़ मची है और पारंपरिक वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं बिखराव के दौर से गुजर रही हैं, तब किसी देश की विदेश नीति की सफलता इस बात से मापी जाती है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों को कितनी कुशलता से सुरक्षित करता है। इस संदर्भ में, विदेश मंत्रालय द्वारा रेखांकित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हालिया इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड का छह दिवसीय त्रिकोणीय दौरा भारत की समकालीन विदेश नीति के लिए एक ऐतिहासिक मोड़ साबित हुआ है। 6 से 11 जुलाई तक चले इस सघन राजनयिक अभियान ने न केवल भारत की ह्यएक्ट ईस्टह्ल नीति को नई ऊर्जा दी है, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की स्थिति को ह्यनेट सिक्योरिटी प्रोवाइडरह्ल (सुरक्षा प्रदाता) और एक अपरिहार्य आर्थिक धुरी के रूप में स्थापित कर दिया है।

यह दौरा महज कुछ द्विपक्षीय बैठकों या औपचारिक समझौतों का पुलिंदा नहीं था। इसे भारत के दूरगामी रणनीतिक दृष्टिकोण, विशेष रूप से ह्यविजन महासागरह्ल के धरातल पर क्रियान्वयन के रूप में देखा जाना चाहिए। इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड–ये

तीनों देश हिंद-प्रशांत की उस समुद्री भूगोल पर स्थित हैं, जहां से भारत के दो-तिहाई व्यापार और ऊर्जा मार्ग गुजरते हैं। इस यात्रा के जरिए भारत ने रक्षा निर्यात, महत्वपूर्ण खनिजों की सुरक्षा, परमाणु ऊर्जा के नए मार्ग और मुक्त व्यापार समझौतों का ऐसा मजबूत चक्रव्यूह तैयार किया है, जो आने वाले दशकों में देश को $5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था से आगे बढ़ाकर एक विकसित राष्ट्र बनाने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

दौरे के पहले पड़ाव के रूप में जकार्ता में राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ हुई द्विपक्षीय वार्ता भारत के रक्षा इतिहास में एक नया अध्याय लिख गई। भारत और इंडोनेशिया के बीच राजनयिक संबंधों के शानदार 75 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक मोड़ पर हुए इस दौरे ने दोनों देशों की ह्यव्यापक रणनीतिक साझेदारीह्ल को नए आयाम दिए हैं। सबसे बड़ी कूटनीतिक और रक्षा सफलता इंडोनेशिया के साथ लगभग 5,400 करोड़ रुपये के ब्रह्मोस मिसाइल और तटीय रक्षा प्रणालियों के सौदे पर हुई ठोस प्रगति है। कभी दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक रहा भारत आज अपनी स्वदेशी मिसाइल तकनीक को दक्षिण-पूर्वी एशिया के सबसे बड़े देश को निर्यात करने की दहलीज पर खड़ा है। यह सौदा न केवल भारत के रक्षा निर्माण क्षेत्र की वैश्विक साख को बढ़ाता है, बल्कि क्षेत्रीय संतुलन को बनाए रखने में भी मददगार साबित होगा। सुरक्षा के मोर्चे पर इससे भी बड़ी रणनीतिक सफलता सुदूर इंडोनेशियाई द्वीप पर स्थित साबांग बंदरगाह के संयुक्त विकास को लेकर बनी सहमति है। मलक्का जलडमरूमध्य के ठीक मुहाने पर स्थित साबांग बंदरगाह का रणनीतिक महत्व अद्वितीय है। दुनिया का अधिकांश समुद्री व्यापार इसी पतले जलमार्ग से होता है। साबांग में भारत की आर्थिक और तकनीकी उपस्थिति का सीधा अर्थ यह है कि भारत अब अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से परे, हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के मिलन बिंदु पर अपनी पैनी नजर रख सकेगा। यह कदम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में किसी भी एकतरफा सैन्य दबदबे या विस्तारवादी नीति को संतुलित करने के लिए भारत का एक मजबूत और शांतिपूर्ण कूटनीतिक जवाब है।

यात्रा के दूसरे चरण में मेलबर्न में आयोजित तीसरे भारत-ऑस्ट्रेलिया वार्षिक नेताओं के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के बीच हुई बातचीत पूरी तरह से भविष्य की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा पर केंद्रित रही। इस पड़ाव की सबसे बड़ी ऐतिहासिक उपलब्धि वह नागरिक परमाणु ऊर्जा समझौता रहा, जो पिछले दो वर्षों से लंबित वाताओं के बाद आखिरकार अमलीजामा पहन सका। इस समझौते के तहत ऑस्ट्रेलिया से भारत को व्यावसायिक रूप से यूरेनियम की निर्बाध आपूर्ति का रास्ता साफ हो गया है। भारत ने वर्ष 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा उत्पादन का जो महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, उसे पूरा करने के लिए यह ऑस्ट्रेलियाई यूरेनियम रीढ़ की हड्डी साबित होगा। यह भारत की हरित ऊर्जा प्रतिबद्धताओं और कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में एक युगांतरकारी कदम है।

इसके साथ ही, डिजिटल और तकनीकी क्रांति के इस युग में भारत ने ऑस्ट्रेलिया के साथ ह्यक्रिटिकल मिनरल्सह्ल यानी महत्वपूर्ण खनिजों (जैसे लिथियम, कोबाल्ट और निकल) की सुरक्षित आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए ठोस रणनीतिक साझेदारी की है। आज जब भारत इलेक्ट्रिक वाहनों , सेमीकंडक्टर और सौर पैनल निर्माण का वैश्विक हब बनने की ओर अग्रसर है, तब इन खनिजों पर से किसी एक देश के एकाधिकार को तोड़ना बेहद जरूरी था। ऑस्ट्रेलिया के विशाल खनिज भंडार तक भारत की सीधी पहुंच घरेलू उद्योगों के लिए कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित करेगी। इसके अलावा, दोनों देशों के तटीय रक्षकों और नौसेनाओं के बीच मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियानों के लिए हुआ नया समन्वय हिंद-प्रशांत की समुद्री सुरक्षा को एक सामूहिक सुरक्षा छतरी प्रदान करता है। मेलबर्न के मार्वल स्टेडियम में उमड़ा भारतीय प्रवासियों का जनसैलाब, जिसे प्रधानमंत्री अल्बनीज ने दोनों देशों को जोड़ने वाला ह्यलिविंग ब्रिजह्ल कहा, यह साबित करता है कि ऑस्ट्रेलिया की समृद्धि और नीति-निर्माण में भारतीय समुदाय अब एक निर्णायक भूमिका में आ चुका है। दौरे का अंतिम और सबसे अनूठा पड़ाव न्यूजीलैंड रहा। यह पिछले 40 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की न्यूजीलैंड की पहली आधिकारिक द्विपक्षीय यात्रा थी। ऑकलैंड में प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सम के साथ हुई व्यापक बैठकों के बाद दोनों देशों के संबंधों को औपचारिक रूप से ह्यस्ट्रैटेजिक पार्टनरशिपह्ल (रणनीतिक साझेदारी) के सर्वोच्च स्तर पर अपग्रेड कर दिया गया। चार दशकों की इस राजनयिक दूरी को खत्म करते हुए भारत ने स्पष्ट कर दिया कि वह प्रशांत महासागर के सुदूर कोनों में भी अपने हितों को लेकर बेहद गंभीर है।

आर्थिक रूप से कमजोर, वनवासी और वंचित समुदाय ही धर्मांतरण की बहस के केंद्र में क्यों?

लेखक:प्रो.(डा.) मनमोहन प्रकाश

भारत में धर्मांतरण का प्रश्न लंबे समय से सामाजिक, राजनीतिक और कानूनी विमर्श का विषय रहा है। इस विषय पर विभिन्न पक्षों के अपने-अपने तर्क हैं, किंतु एक तथ्य बार-बार ध्यान आकर्षित करता है कि धर्मांतरण की बहस का केंद्र प्रायः आर्थिक रूप से कमजोर, वनवासी और सामाजिक रूप से वंचित समुदाय ही क्यों?

स्वतंत्रता प्राप्ति के लगभग आठ दशक बाद भी देश के अनेक दूरस्थ और पिछड़े क्षेत्रों में गरीबी, कुपोषण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अभाव, स्वास्थ्य सेवाओं की सीमित उपलब्धता, बेरोजगारी तथा आवास जैसी मूलभूत समस्याएँ आज भी विद्यमान हैं। अनेक परिवार आज भी दो समय के भोजन, बच्चों की शिक्षा और गंभीर बीमारी के उपचार जैसी बुनियादी आवश्यकताओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ऐसी परिस्थितियों में यदि कोई संस्था भोजन, चिकित्सा, शिक्षा या अन्य प्रकार की सहायता उपलब्ध कराती है, तो स्वाभाविक रूप से उसका प्रभाव उन परिवारों पर पड़ता है। कई बार यह आरोप भी लगाया जाता है कि कुछ संगठनों द्वारा सेवा कार्यों के साथ धार्मिक प्रभाव विस्तार या धर्मांतरण के प्रयास भी किए जाते हैं। दूसरी ओर अनेक धार्मिक और सामाजिक संस्थाएँ इस प्रकार के आरोपों से इनकार करते हुए अपने कार्यों को केवल मानवीय सेवा बताती हैं। इसलिए प्रत्येक मामले का मूल्यांकन तथ्यों और कानून के आधार पर ही किया जाना चाहिए।

भारतीय समाज में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य वंचित वर्गों ने लंबे समय तक सामाजिक विषमता और भेदभाव की पीड़ा झेली है। यद्यपि शिक्षा, शहरीकरण, संवैधानिक संरक्षण तथा सामाजिक जागरूकता के कारण परिस्थितियों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, फिर भी अनेक क्षेत्रों में सामाजिक सम्मान और समान अवसरों का प्रश्न पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। जब किसी व्यक्ति को अपने ही सामाजिक परिवेश में अपेक्षित सम्मान नहीं मिलता, तब वह ऐसे विकल्पों की ओर आकर्षित हो सकता है जहाँ उसे समानता, सम्मान और अपनत्व का अनुभव होने का विश्वास दिलाया जाए।

वनवासी और जनजातीय समुदायों की स्थिति कुछ अलग प्रकार की चुनौतियाँ प्रस्तुत करती है। अधिकांश जनजातीय आबादी दुर्गम पर्वतीय और वन क्षेत्रों में निवास करती है, जहाँ सरकारी योजनाओं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं तथा कानूनी जागरूकता की पहुँच अपेक्षाकृत सीमित रहती है। ऐसी परिस्थितियों में बाहरी संगठनों के लिए इन समुदायों के बीच प्रभाव स्थापित करना अपेक्षाकृत सरल हो जाता है। स्थानीय भाषा सीखकर, उनके बीच रहकर तथा सेवा गतिविधियों के माध्यम से विश्वास अर्जित करना कई संगठनों की कार्यपद्धति का हिस्सा माना जाता है।

कुछ क्षेत्रों में तथाकथित 'चंगाई सभाओं' या चमत्कार आधारित धार्मिक आयोजनों की भी चर्चा होती रही है, जिनमें गंभीर बीमारियों के उपचार, आर्थिक संकट दूर करने अथवा अलौकिक शक्तियों के माध्यम से समस्याओं के समाधान जैसे दावे किए जाते हैं। यदि ऐसे दावों के आधार पर किसी व्यक्ति को भ्रमित कर धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित किया जाता है, तो यह न केवल अंधविश्वास को बढ़ावा देता है, बल्कि समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और विधि के शासन की भावना के भी प्रतिकूल है। ऐसे मामलों में प्रशासन और समाज दोनों की सजगता आवश्यक है।धर्मांतरण को लेकर समय-समय पर विदेशी वित्तपोषण, संगठित नेटवर्क और सुनियोजित गतिविधियों के आरोप भी सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा रहे हैं। यदि कहीं प्रलोभन, कपट, दबाव या धोखे के माध्यम से धर्म परिवर्तन कराया जाता है, तो वह न केवल अनेक राज्यों के प्रचलित कानूनों की भावना के विपरीत है, बल्कि व्यक्ति की स्वतंत्र एवं सूचित आस्था के अधिकार पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। वहीं यह भी उतना ही आवश्यक है कि किसी भी संस्था या व्यक्ति पर आरोप तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर ही लगाए जाएँ।

स्पष्ट है कि धर्मांतरण की बहस के केंद्र में आर्थिक रूप से कमजोर, वनवासी और वंचित समुदायों का होना केवल धार्मिक विषय नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक विषमताओं का भी संकेत है। जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति तक सम्मान, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएँ, रोजगार के अवसर और न्यायपूर्ण सामाजिक व्यवहार नहीं पहुँचेगा, तब तक ऐसी परिस्थितियाँ बनी रह सकती हैं जिनका लाभ विभिन्न प्रकार की शक्तियाँ उठाने का प्रयास करें।

इस चुनौती का समाधान केवल कठोर कानूनों में नहीं, बल्कि समावेशी विकास और सामाजिक समरसता में निहित है। शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे, वनवासी और दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका की सुदृढ़ व्यवस्था विकसित हो, तथा समाज के प्रत्येक वर्ग को सम्मान और अपनत्व का वातावरण मिले,मेरी दृष्टि में यही सबसे प्रभावी उपाय है। साथ ही, विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और सेवा संगठनों को भी इन क्षेत्रों में निस्वार्थ सेवा, सामाजिक समरसता और आत्मसम्मान की भावना को सुदृढ़ करने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। जब किसी नागरिक को अपने समाज में सम्मान, सुरक्षा और अवसर प्राप्त होंगे, तब वह किसी भी प्रकार की मजबूरी या प्रलोभन के आधार पर निर्णय लेने के लिए विवश नहीं होगा।

राम से शत्रुता और इस्लाम से मित्रता पुरानी विरासत है

दिव्य अग्रवाल (लेखक व विचारक)

अत्यंत पीड़ा होती है यह देखकर की पुरे विश्व में हिन्दुओ का एक ही राष्ट्र बचा है जिसे राष्ट्रवादी लोग भारत माता कहते हैं पर इसको दुर्भाग्य कहें या विडंबना भारत का ही हिन्दू सनातन के विपक्ष में खड़ा होकर इस्लामिक तुष्टिकरण में अपना जन्म और प्राप्त होने वाली मृत्यु के सत्य को भी विस्मृत कर देता है। ज्यादा कुछ न कहते हुए सीधी बात जिनको राम नाम से आपत्ति थी जिन्होंने राम मंदिर की जन्म स्थली के अस्तित्व को सदैव नकारा जो प्रभु राम मंदिर में दर्शन करने में भी अपने मन में कटुता का भाव रखते हैं जिन्हे सनातनी व्यवस्थाओं में सदैव कमी नजर आयी उन लोगो ने न तो कभी मोहम्मद रसूल पर कभी खुले मन से चर्चा की और न ही कभी इस्लामिक कमियों के बारे में कभी चर्चा की। जिन लोगो को श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट में कमी नजर आती है उन्होंने कभी जमीयत उलेमा ऐ हिन्द जैसी इस्लामिक संस्था की जांच की मांग नहीं की , धन का दुरूपयोग होना , संस्था में भ्रस्टाचार होना , चोरी होना किसी भी संस्था में हो सकता है लेकिन किसी संस्था की स्थापना ही इस्लामिक वर्चस्व को बढ़ाना ,मजहब के नाम पर अपराधियों की भी मदद करना , गैर इस्लामिक समाज के प्रति एक पूरी इस्लामिक फौज खड़ी करने की तैयारी जैसे कटटरपंथी कार्य भी तो मजहबी दान से ,जकात से ,आर्थिक सहयोग से ही होते होंगे न, पर उस पर आज तक कोई सार्वजानिक चर्चा नहीं हुई इतना ही नहीं इस्लामिक हलाल सर्टिफिकेट से अर्जित धन कहाँ और किस उपयोग के लिए लगता है इस पर कोई चर्चा नहीं हाँ लेकिन कुछ संस्कार विहीन चोरो ने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षाओं की पूर्ति हेतु राम मंदिर के धनकोष में चोरी क्या की लोगो ने इस चोरी को सनातन धर्म का षड्यंत्र ,संस्थाओं की मिलीभगत न जाने क्या क्या आरोप लगाने शुरू कर दिए भाई एक बात समझ लो जो लोग और जिनके पूर्वज तक प्रभु श्री राम का मंदिर बनने देना नहीं चाहते थे और जिन्होंने सनातन धर्म और सनातनी समाज को अपमानित करने हेतु न जाने कितने मंदिरो और सनातनी आश्रमों में रोजा इफ्तारी एवं इस्लामिक नमाज का आयोजन कराया आपको क्या लगता है को वो कभी सनातन धर्म और प्रभु श्री राम के प्रति सकारात्मक भाव रख सकते हैं ।एक मोटी सी बात जिन्हें राम पर विश्वास है जिन्हे राम में आस्था है जिन्होंने सनातनी आस्था स्वरूप मंदिर में दान आदि किया क्या उन्हें इतना नहीं पता की इस धर्म दान में चोरी करने वालों की क्या दुर्गति होगी लेकिन आस्था होते भी धर्म विरोधियों की बातों में आकर समूची मंदिर ट्रस्ट को अपमानित करना , सनातन धर्म पर आघात करना क्या यह उचित है।

केन की धारा में बहता एक सवाल — क्या इंसान भी विकास का हिस्सा है?

प्रो. आरके जैन अरिजीत

विकास तभी सार्थक है, जब उसकी कीमत किसी की पहचान, आजीविका और अस्तित्व न बने। आज भारत इसी प्रश्न के सामने खड़ा है। एक ओर देश की पहली नदी जोड़ो योजना के रूप में केनझ्रबेतवा परियोजना है, जिसे जल, सिंचाई और ऊर्जा का समाधान बताया जा रहा है। दूसरी ओर पन्ना और छतरपुर के जंगलों में आदिवासी महिलाएँ चिता पर लेटकर, शरीर पर मिट्टी मलकर केवल दो वाक्यों में अपना दर्द कह रही हैं–ह्लजंगल हमारा, नदी हमारीह्व और ह्लन्याय दो या मार दो।ह्व यह केवल विरोध नहीं, लोकतंत्र पर टूटते भरोसे की तस्वीर है। अब सवाल बाँध बनने का नहीं, बल्कि यह है कि विकास की परिभाषा आखिर किसके लिए लिखी जा रही है।

केनझ्रबेतवा परियोजना का प्रमुख हिस्सा दौधन बाँध है, जो पन्ना टाइगर रिजर्व के भीतर प्रस्तावित है। इससे लगभग 9 हजार हेक्टेयर भूमि, जिसमें कोर क्षेत्र का करीब 41.41 वर्ग किलोमीटर और बफर क्षेत्र शामिल हैं, डूबेगी। करीब 23 लाख पेड़ प्रभावित होने और केन नदी का प्राकृतिक प्रवाह बदलकर जल बेतवा में भेजने की आशंका है। सरकार के अनुसार इससे 10.62 लाख हेक्टेयर भूमि की सिंचाई, 62 लाख लोगों को पेयजल और 103 मेगावाट बिजली मिलेगी। लेकिन गोंड और कोल आदिवासियों के लिए यह केवल विकास नहीं, बल्कि अस्तित्व का सवाल है। उनके लिए जंगल सिर्फ पेड़ नहीं, बल्कि इतिहास, संस्कृति, आजीविका और पहचान का आधार है।

वादों और जमीनी हकीकत की दूरी ने चिता आंदोलन फिर सुलगा दिया। प्रशासन के आश्वासन के बावजूद कई गाँवों में मकान तोड़े गए, बिजली कनेक्शन काटे गए, स्कूल ढहाए गए और विरोध करने वालों पर मुकदमे दर्ज हुए। दिव्या अहिरवार, लक्ष्मी आदिवासी सहित कई महिलाएँ विरोध में डटी रहीं, जबकि सामाजिक कार्यकर्ता अमित भटनागर अनशन पर बैठे। उनका दावा है कि 7,000 से अधिक परिवार (लगभग 35-50 हजार लोग) विस्थापन की कगार पर हैं। उनके अनुसार संकट केवल घरों का नहीं, बल्कि जल, जंगल, जमीन, आजीविका और सांस्कृतिक पहचान का है। सवाल है–यदि विकास की कीमत आदिवासी समाज चुकाए और लाभ दूसरों को मिले, तो क्या यह न्यायपूर्ण विकास कहलाएगा?

इस संघर्ष का दायरा केवल विस्थापन नहीं, पूरे पारिस्थितिकी तंत्र तक है। पन्ना टाइगर रिजर्व का बड़ा हिस्सा डूबने की आशंका है, जिससे बाघों की पुनर्स्थापना, घड़ियाल संरक्षण और गिद्धों के प्राकृतिक घोंसले संकट में पड़ सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार वृक्ष कटाई और पारिस्थितिकी परिवर्तन से क्षेत्रीय वर्षा में करीब 12 प्रतिशत कमी आ सकती है। केन नदी का प्राकृतिक प्रवाह बदलने से पारिस्थितिकी संतुलन बिगड़ने की आशंका है। आईआईटी बॉम्बे के वैज्ञानिक भी इसके प्राकृतिक तंत्र पर प्रभाव की चेतावनी दे चुके हैं। इसलिए आदिवासियों का ह्लजंगल हमारा, नदी हमारीह्व कहना विकास विरोध नहीं, बल्कि प्रकृति और भविष्य की चिंता है।

किसी भी विस्थापन की सबसे बड़ी कीमत आँकड़े नहीं, इंसानी ज़िंदगियाँ चुकाती हैं। केनझ्रबेतवा परियोजना भी इसी सच्चाई के सामने है। आधिकारिक आँकड़ों के अनुसार 7 हजार से अधिक परिवार प्रभावित होंगे और 22 गाँव डूब क्षेत्र में समा जाएँगे। पुनर्वास को लेकर असंतोष है। किसी को साढ़े बारह लाख, तो किसी को केवल साढ़े सात लाख रुपये मुआवजा मिल रहा है। वयस्क सदस्यों को अलग परिवार का दर्जा देने की माँग अधूरी है। आदिवासी समाज नकद नहीं, ह्लभूमि के बदले भूमिह्व चाहता है, क्योंकि जंगल और खेत उसके जीवन का आधार हैं। आंदोलनकारियों का आरोप है कि वन अधिकार अधिनियम, 2006 के अधिकारों की अनदेखी हो रही है। पर्याप्त सूचना बिना मकान तोड़े जाने से प्रशासन और समाज के बीच भरोसे की खाई गहरी हुई है।

तस्वीर का दूसरा पहलू भी अहम है। सरकार का तर्क है कि भविष्य की जल जरूरतों के लिए बड़े समाधान जरूरी हैं। सिंचाई, पेयजल और बिजली जैसी बुनियादी जरूरतों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। लेकिन सवाल है कि किसी परियोजना का मूल्य केवल लाभ से तय होगा या उसकी सामाजिक और पर्यावरणीय कीमत से भी। केनझ्रबेतवा परियोजना ने फिर बहस छेड़ी है कि नदी जोड़ो योजनाएँ तभी सफल होंगी, जब वे स्थानीय परिस्थितियों, पारिस्थितिकी और समाज की जरूरतों के अनुरूप हों। केवल इंजीनियरिंग समाधान, प्रकृति और समुदाय की सहमति बिना, स्थायी नहीं हो सकते। विकास तभी सार्थक है, जब लाभ और कीमत का न्यायपूर्ण संतुलन हो।

बड़ी परियोजनाओं के साथ छोटे, टिकाऊ विकल्प भी जरूरी हैं। विशेषज्ञ वर्षा जल संचयन, छोटे बाँध, जलग्रहण प्रबंधन और स्थानीय जल संरक्षण को बेहतर समाधान मानते हैं। सवाल है कि मध्य प्रदेश अपने जंगलों, वन्य संपदा और जल संसाधनों की कीमत चुका रहा है, जबकि लाभ का बड़ा हिस्सा उत्तर प्रदेश को मिलेगा। सर्वोच्च न्यायालय की सेंट्रल एम्पावर्ड कमिटी ने भी परियोजना की पर्यावरणीय और आर्थिक व्यवहार्यता पर गंभीर आपत्तियाँ दर्ज की थीं, लेकिन उन्हें महत्व नहीं मिला। यदि बड़े निर्णयों में वैज्ञानिक चेतावनियाँ, स्थानीय अनुभव और न्यायपूर्ण पुनर्वास उपेक्षित रहें, तो विकास का दावा संदेह के घेरे में आता है। लोकतंत्र की शक्ति केवल निर्णय में नहीं, असहमति सुनने में भी है।

पन्ना और छतरपुर से उठता यह संघर्ष अब केवल कुछ गाँवों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सवाल उठाता है कि भारत का विकास प्रकृति और मानव के संतुलन के साथ होगा या जंगलों और संस्कृतियों की कीमत पर। आदिवासी महिलाओं का संघर्ष केवल मुआवजे का नहीं, बल्कि सम्मान, अस्तित्व और आने वाली पीढ़ियों के अधिकारों का है। सरकार को पारदर्शी पुनर्वास, प्रभावी पर्यावरणीय समीक्षा और स्थानीय समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। पन्ना टाइगर रिजर्व के नुकसान की भरपाई के लिए ग्रेटर पन्ना लैंडस्केप प्लान के तहत 47,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में वन विकास प्रस्तावित है। इतिहास बाँधों की ऊँचाई नहीं, बल्कि कमजोर वर्गों के साथ राष्ट्र के व्यवहार को याद रखता है। विकास तभी टिकाऊ होगा, जब वह प्रकृति और लोगों की सहमति से आगे बढ़े।

पनकी धाम रेलवे स्टेशन आधुनिक सुविधाओं और आस्था का नया केंद्र बनेगा : डॉ. शिवम शर्मा

कानपुर।
अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित पनकी धाम रेलवे स्टेशन यात्रियों को आधुनिक सुविधाओं के साथ सुरक्षित, सुगम और बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करेगा। स्टेशन का पुनर्विकास स्थानीय सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक पहचान को संरक्षित रखते हुए किया गया है, जिससे यह कानपुर की प्रगति का नया प्रवेशद्वार बनेगा। यह बातें सोमवार को उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डॉ. शिवम शर्मा ने कहीं।

उत्तर प्रदेश के औद्योगिक नगर कानपुर स्थित पनकी धाम रेलवे स्टेशन का अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत लगभग 25 करोड़ रुपये की लागत से व्यापक पुनर्विकास किया गया है। वर्ष 1981 में स्थापित इस स्टेशन का निर्माण कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर बढ़ते यात्री दबाव को कम करने तथा शहर के पश्चिमी और उपनगरीय क्षेत्रों को बेहतर रेल संपर्क उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया गया था। समय के साथ औद्योगिक विकास, नई आवासीय बस्तियों के विस्तार और पंचमुखी श्री हनुमान मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के कारण इसका महत्व लगातार बढ़ा।

पुनर्विकास के बाद स्टेशन पर दो मंजिला आधुनिक भवन, विशाल प्रतीक्षालय, एक्जीक्यूटिव लाउंज, रिटायरिंग रूम, आधुनिक टिकटिंग क्षेत्र, विस्तारित प्लेटफॉर्म शेल्टर, आधुनिक शौचालय, बेहतर पेयजल व्यवस्था और उन्नत यात्री सूचना प्रणाली विकसित की गई है। यात्रियों की सुविधा के लिए डिजिटल सूचना डिस्प्ले, स्पष्ट साइनेज और बेहतर प्रकाश व्यवस्था भी उपलब्ध कराई गई है।

यात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए 12 मीटर चौड़ा फुट ओवर ब्रिज और 6 मीटर चौड़ा अतिरिक्त फुट ओवर ब्रिज बनाया गया है। इसके अलावा रैंप, लिफ्ट और अन्य दिव्यांगजन-अनुकूल सुविधाएं भी विकसित की गई हैं।

लगभग 4,500 वर्गमीटर क्षेत्र में सकुर्लेटिंग एरिया तैयार किया गया है, जिसमें अलग-अलग प्रवेश एवं निकास मार्ग, पार्किंग, हरित क्षेत्र तथा बाधारहित आवागमन की व्यवस्था की गई है।

स्टेशन की वास्तुकला में पनकी धाम की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को विशेष स्थान दिया गया है। भवन के डिजाइन और कलात्मक स्वरूप में भगवान हनुमान से जुड़ी आस्था और स्थानीय संस्कृति की झलक दिखाई देती है। पनकी धाम स्थित प्रसिद्ध पंचमुखी श्री हनुमान मंदिर में प्रत्येक मंगलवार, शनिवार और हनुमान जयंती पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।

"साइबर बज्र" के तहत अपराधियों को म्यूल खाता उपलब्ध करवाने वाले 14 के खिलाफ मुकदमा दर्ज

नोएडा।
नोएडा पुलिस ने ऑपरेशन "साइबर बज्र" के तहत साइबर ठगों को म्यूल खाता उपलब्ध करवाने वाले 14 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इन खातों के माध्यम से साइबर अपराधियों ने लोगों से ठगी गई रकम को इधर से उधर ट्रांसफर किया था।

थाना एक्सप्रेस-वे के प्रभारी अमित खारी ने बताया कि उपनिरीक्षक अभिषेक ने सोमवार की बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि म्यूल अकाउंट के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के जांच में पता चला कि सरस मुकुंद के नाम से एक बैंक अकाउंट खोला गया था। इस बैंक अकाउंट का पता सेक्टर 90 स्थित एक कमर्शियल माल का है। जब जांच की गई तो पता चला कि नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल पर खाताधारक के खिलाफ कई शिकायत दर्ज हैं।

थाना सेक्टर 24 के प्रभारी निरीक्षक सुबोध कुमार ने बताया कि बीती रात को उपनिरीक्षक मोहित कुमार ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि साइबर मुख्यालय से थाना पुलिस को सूचना मिली कि एक बैंक खाते का उपयोग साइबर अपराधी कर रहे हैं। जांच में यह खाता इंडसइंड बैंक का निकाला। बैंक खाते के खिलाफ विभिन्न साइबर पोर्टल पर 44 शिकाई थे प्राप्त है। खाताधारक के खिलाफ थाना सेक्टर 24 में आईटी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज करवाया गया है। एक अन्य मामले में उप निरीक्षक मोहित कुमार ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि इंडसइंड बैंक के एक खाते का प्रयोग साइबर अपराधियों ने किया है। इस खाते पर एनसीआरपी पोर्टल पर 9 शिकायतें दर्ज हैं।

थाना सेक्टर 39 के प्रभारी डीपी शुक्ल ने बताया की बीती रात को उप निरीक्षक योगेश कुमार ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि साइबर मुख्यालय से थाना सेक्टर 39 पुलिस को सूचना मिली कि कुछ बैंक खातों का उपयोग साइबर अपराधी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जांच में पता चला कि एनसीआरपी पोर्टल पर उक्त खातों के खिलाफ शिकायत दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि कुल तीन खाता धारकों के खिलाफ उप निरीक्षक ने बीती रात को आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करवाया है।

एक अन्य मामले में उप निरीक्षक धीरज सारस्वत ने सोमवार की बीती रात को सरिता देवी व एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

देर रात आध्या होटल के बाहर कर्मचारियों से मारपीट, वीडियो वायरल, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

औरैया।
उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में सदर कोतवाली क्षेत्र की नारायनपुर पुलिस चौकी के बाहर आध्या होटल के बाहर देर रात कुछ युवकों ने होटल कर्मचारियों के साथ मारपीट कर दी। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार देर रात होटल के बाहर किसी बात को लेकर विवाद हुआ, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। वायरल वीडियो में कुछ युवक होटल कर्मचारियों के साथ हाथापाई और मारपीट करते नजर आ रहे हैं। घटना से होटल कर्मचारियों और आसपास के लोगों में दहशत का माहौल है।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जानकारी जुटाई। वायरल वीडियो को भी जांच में शामिल किया गया है। पुलिस वीडियो और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में जुटी है।

सदर कोतवाली प्रभारी राजकुमार सिंह ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

फरार आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस टीमों को लगाया गया है। उन्होंने कहा कि वायरल वीडियो सहित सभी साक्ष्यों की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

लिफ्ट में फंसे चार बच्चों ने जान बचाने के लिए पढ़ी हनुमान चालीसा, वीडियो वायरल

नोएडा।
थाना बिसरख क्षेत्र के गैलेक्सी बेगा सोसाइटी के टावर में सोमवार की बीती रात को अचानक बिजली चले जाने से चार बच्चे एक लिफ्ट में फंस गए।

बच्चों ने अपनी जान बचाने और डर भगाने के लिए लिफ्ट की फर्श पर बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ पढ़ा। अब इस घटना की वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि घटना की जांच में पता चला कि बिजली में फ्लकचुएशन के चलते सोसाइटी के ई-टावर की लिफ्ट करीब 3 मिनट के लिए रुक गई थी। उसमें कुछ बच्चे जो डर गए थे। करीब तीन मिनट बाद जनरेटर चालू करके लाइट व्यवस्था बहाल की गई तथा रेस्क्यू टीम ने बच्चों को सकुशल बाहर निकला । पुलिस अधिकारियों ने बताया है कि बच्चे 3 मिनट तक फंसे रहे, लेकिन सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में लोग दावा कर रहे हैं कि बच्चे 30 मिनट तक फंसे रहे। इस घटना को लेकर नोएडा शहर में तरह-तरह की चर्चा है।

सोसाइटी मे लिफ्ट का प्रयोग करने वाले लोगों में भय का माहौल है।

घर में अकेली विवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान; एक साल की बेटी को छोड़ गई

औरैया।
उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में सहार थाना क्षेत्र के हजियापुर गांव में सोमवार देर शाम एक विवाहिता द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की घटना से गांव में शोक की लहर दौड़ गई। विवाहिता ने घर के बरामदे में पंखे के हुक से दुपट्टे के सहारे फांसी लगा ली। घटना के समय वह घर में अकेली थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार हजियापुर निवासी गौतम की पत्नी सुकीर्ति ने सोमवार देर शाम अपने घर के बरामदे में फांसी लगाकर जीवन समाप्त कर लिया। बताया गया कि घटना के समय परिवार का कोई सदस्य घर पर मौजूद नहीं था। मृतका के परिजन किसी रिश्तेदारी में गए हुए थे, जबकि उसका पति अपनी बहन के लिए लड़का देखने बाहर गया था।

काफी देर तक सुकीर्ति के बाहर न आने पर परिजनों और ग्रामीणों को संदेह हुआ। जब घर के अंदर जाकर देखा गया तो वह फंदे से लटकी मिली। यह दृश्य देखकर परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही सहार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की।

पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद गांव में लोगों की भीड़ जुट गई। बताया गया कि सुकीर्ति का विवाह वर्ष 2023 में हुआ था और उसकी एक वर्ष की मासूम बेटी है। मां की असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

थाना प्रभारी जितेंद्र तिवारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है। घटना के समय घर पर कोई अन्य व्यक्ति मौजूद नहीं था। आत्महत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

किशोर ने फांसी लगाकर दी जान, पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच में जुटी

औरैया।
उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में अछल्दा विकासखंड क्षेत्र के ग्राम सेऊपुर में सोमवार देर रात एक 15 वर्षीय किशोर ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है।

गांव निवासी चंद्रभान राजपूत का 15 वर्षीय पुत्र कोमल राजपूत सोमवार रात अपने कमरे में था। देर रात जब परिजनों ने उसे देखा तो वह दुपट्टे के सहारे पंखे से लटका मिला। परिजनों ने तत्काल उसे नीचे उतारा, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा और घर में मातम छा गया। मृतक के पिता चंद्रभान राजपूत ने रात करीब 11 बजे डायल-112 पर सूचना दी। सूचना मिलते ही डायल-112 पुलिस टीम और पाता चौकी प्रभारी नरेंद्र कुमार मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पाता चौकी प्रभारी नरेंद्र कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है। फिलहाल परिजनों से पूछताछ की जा रही है और घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

एसीए की जूनियर चयन समिति के सदस्य बने अमर काला

प्रयागराज।
इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) ने वर्ष 2026-27 सत्र के लिए जूनियर चयन समिति में क्रिकेटर अमर काला को सदस्य नामित किया है।

उनकी नियुक्ति को एसीए के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे जूनियर क्रिकेट प्रतिभाओं के चयन और विकास को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। अमर काला को यह जिम्मेदारी तत्काल प्रभाव से सौंपी गई है।

वह जूनियर चयन समिति में अपनी भूमिका निभाते हुए युवा खिलाड़ियों के चयन और उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराने में योगदान देंगे।

सेवानिवृत्त उपनिरीक्षक का शव आम के पेड़ से लटका मिला

औरैया।
उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में बिधूना कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कल्याणपुर जागू में सोमवार रात एक सेवानिवृत्त उपनिरीक्षक का शव खेत में आम के पेड़ से फंदे पर लटका मिलने से गांव में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही परिजन और पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का माना जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

गांव निवासी 70 वर्षीय श्याम सिंह सोमवार शाम घर से निकले थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। काफी तलाश के बाद भी उनका कोई सुराग नहीं मिला। इसी बीच रात करीब नौ बजे ग्रामीणों ने सूचना दी कि गांव के बाहर खेत में स्थित आम के पेड़ से एक व्यक्ति का शव फंदे पर लटका हुआ है। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और शव की पहचान श्याम सिंह के रूप में की।

परिजन उन्हें तत्काल फंदे से नीचे उतारकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिधूना ले गए। रात करीब 10:50 बजे अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कोतवाली प्रभारी विनेश कुमार सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। रिपोर्ट के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

बच्चों को स्कूल छोड़ने जा रही महिला की सड़क हादसे में मौत, जुड़वां बेटे और पति बाल-बाल बचे

औरैया।
उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में अजीतमल कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार सुबह बच्चों को स्कूल छोड़ने जा रही एक महिला की सड़क हादसे में मौत हो गई। तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने स्कूटी को सामने से टक्कर मार दी। हादसे में महिला की मौके पर गंभीर चोटें आईं, जबकि पति और दोनों जुड़वां बेटे दूसरी ओर मिट्टी में गिरने से बाल-बाल बच गए। घटना के बाद चालक ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर फरार हो गया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उसकी तलाश कर रही है।

श्याम नगर (अटसू) निवासी विशाल पोरवाल कस्बे में किराना व्यवसाय करते हैं। मंगलवार सुबह वह अपनी पत्नी मोहिनी पोरवाल (27) और पांच वर्षीय जुड़वां बेटों लव और कुश को स्कूटी से अजीतमल स्थित कान्हा इंटरनेशनल अकादमी छोड़ने जा रहे थे। जब उनका परिवार सिंह वाहिनी महाविद्यालय के पास बनी पुलिया के निकट पहुंचा, तभी अजीतमल की ओर से आ रही तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने स्कूटी में सामने से जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कूटी अनियंत्रित होकर पलट गई। पीछे बैठी मोहिनी सड़क पर गिर गईं और गंभीर रूप से घायल हो गईं, जबकि विशाल और दोनों मासूम बच्चे सड़क के दूसरी ओर मिट्टी में गिरने से सुरक्षित बच गए।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान

औरैया।
उत्तर प्रदेश में औरैया जिले के दिबियापुर थाना क्षेत्र की कांशीराम कॉलोनी के पास केविन की मड़ैया में सोमवार देर रात एक 40 वर्षीय युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

थाना प्रभारी सत्य प्रकाश सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान सत्यवीर उर्फ बब्बन यादव (40) के रूप में हुई है। शराब की लत के चलते उसकी पत्नी अपने दो बच्चों के साथ कंचौसी के मनेपुर स्थित मायके में रह रही थी, जबकि उसकी मां भी कुछ समय से अपनी बेटी के घर रह रही थी। घर पर वह अकेला ही रहता था। पड़ोसियों ने आज उसका शव फांसी के फंदे से लटका देखा तो परिवार और पुलिस को सूचित किया। घटना की जानकारी पर उसकी पत्नी और अन्य परिजन मौके पर पहुंच गए।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतारकर आवश्यक कार्रवाई की।

थाना प्रभारी निरीक्षक सत्य प्रकाश सिंह ने बताया कि शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों की पुष्टि हो सकेगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भगवान राम के चित्रकूट में तपोवन वृक्ष मंदिर की स्थापना का संकल्प

चित्रकूट (उत्तर प्रदेश)।
भगवान राम की तपोभूमि चित्रकूट की पौराणिक देवल कुटी में तपोवन वृक्ष मंदिर की स्थापना का संकल्प लिया गया है। देवल कुटी 'देवल और चौरा गांव' के मध्य मंदाकनी नदी के तट पर एक पहाड़ीनुमा जगह पर स्थित है। पहाड़ी ब्लॉक स्थित यह कुटी अभी तक शहरी शोर-शराबा से दूर है। करीब डेढ़ दशक से यहां तप करे स्वामी धमार्नंद ने घोषणा की है कि वह देवल कुटी की चार बीघा जमीन पर तपोवन वृक्ष मंदिर तैयार कराएंगे।

स्वामी धमार्नंद को यहां आसपास के ग्रामीण तपस्वी बाबा कहकर भी संबोधित करते हैं। वह देवल में आने से पहले पयस्वनी के उद्गमस्थल बृह्मकुंड के पास वर्षों तक तपस्या कर चुके हैं। वह कहते हैं, " देवल के तपस्वी संन्यासी उन्हें वृक्षों की जो सौगात सौंप गए हैं, वह समय के साथ-साथ धीरे-धीरे कम हो रहे हैं। यहां चार बीघा जमीन है कुटी की। उसमें औषधीय और फलदार पौधे रोपित कर तपोवन वृक्ष मंदिर विकसित करना है, जिससे यहां आने वाले साधु-संन्यासी शांत और जीवंत वातावरण में साधना कर सकें। यह सारा काम श्रमदान से होगा।

उन्होंने कहा कि अगर जलऋषि और वृक्षमित्र अभिमन्यु भाई ठान लें तो उत्तर प्रदेश शासन से चार बीघा भूमि के लिए पौधे मिलने में कोई कठिनाई नहीं आएगी। चित्रकूट के रामघाट में अमावस्या स्नान का महत्व बताते हुए तपस्वी बाबा ने कहा कि गत दिवस उन्होंने देवल कुटी में अभिमन्यु भाई व अन्य से इस संबंध में गहन चर्चा की। तब तपोवन वृक्ष मंदिर का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि सरकार के वृक्षारोपण महा अभियान एवं एक पेड़ मां के नाम के अंतर्गत अगर यह संकल्प पूरा हो तो बहुत अच्छा रहेगा।

धमार्नंद ने कहा कि चित्रकूट भगवान राम की तपोभूमि है। वर्तमान में तपोवन क्षेत्र में हो रहे कंक्रीट के मंदिर एवं घाट निर्माण से तपोवन की प्राकृतिक एवं आध्यात्मिक पहचान कमजोर हो रही है। इसलिए चित्रकूट तपोवन संरक्षण अभियान के स्वयंसेवकों ने वृक्ष मंदिर अवधारणा के तहत तपोवन पुनर्जीवन का संकल्प लिया है। तपस्वी बाबा ने कहा कि वह इस साल देवल कुटी में पवित्र माह क्वार (आश्विन) से तप साधना पर बैठेंगे। यह साधना अगले साल इसी माह पूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि वह देवल महर्षि की हजारों वर्ष पुरानी देवल कुटी के इस तपोवन के वृक्ष मंदिरों को सहेज रहे हैं यही उनकी पूजा है। वह अपने जीवन में एक और वृक्ष मंदिर तैयार करना चाहते हैं, जिससे यह तपोवन इस क्षेत्र के लिए ऑक्सीजन प्लांट की तरह दिखे। स्थानीय बच्चे यहां आएं और योग सीखें।

अभिमन्यु भाई का कहना है कि तपोवन पुनर्जीवन संवाद में संत एवं समाज को जोड़ने के लिए देवल कुटी, सूरजकुंड, कालका देवी पहाड़ी, कामदगिरि पर्वत परिक्रमा मार्ग, लक्ष्मण पहाड़ी और ब्रह्मकुंड में जल्द ही गोष्ठियों की शुरूआत की जाएगी। इसका मकसद है कि सरकार-समाज का रोपित एक भी पौधा सूखने न पाए और चित्रकूट में तपोवन संस्कृति पुनर्जीवित हो।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 561, निफ्टी 158 अंक गिरा

मुम्बई ।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच ही भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दूनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 561.46 अंक टूटकर 77,054.94 अंक पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 158.95 अंक फिसलकर 24,052.05 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 24 नीचे आये। कारोबार के दौरान एचसीएल टेक के शेयर सबसे अधिक गिरे। वहीं बजाज फिनसर्व, एसबीआई, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडिगो, लार्सन एंड टुब्रो, कोटक बैंक, आईटीसी, मारुति, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा और ट्रेंट के शेयरों में भी गिरावट दर्ज की गयी। वहीं दूसरी ओर, भारती एयरटेल, सन फार्मा, टीसीएस, टाटा स्टील, अडानी पोर्ट्स के शेयर उछले।निफ्टी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट एचसीएल टेक, श्रीराम फाइनेंस और एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी सबसे ज्यादा नीचे आये। ब्रॉडर मार्केट में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप शेयरों में भी गिरावट रही। सेक्टर के अनुसार देखें तो निफ्टी रियल्टी, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी ऑटो के शेयर सबसे अधिक गिरे। वहीं निफ्टी फार्मा में सबसे ज्यादा तेजी रही। वहीं इससे पहले आज सुबह निवेशकों ने मुनाफावसूली का रुख अपनाया, जिससे घरेलू बेंचमार्क इंडेक्स शुरुआती कारोबार में ही गिरावट के साथ खुले। सुबह शुरुआत के बाद बीएसई सेंसेक्स 388.16 अंक की कमजोरी के साथ 77,228.24 पर और एनएसई निफ्टी 50, 102 अंक गिरकर 24,109.10 के स्तर पर पहुंच गया। निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स क्रमशः 0.37 और 0.57 फीसदी तक लुढ़क गए।

बजट स्मार्टफोन और टीवी की बिक्रि में दशक की सबसे बड़ी गिरावट

मेमोरी चिप की बढ़ती कीमतें और रुपये की कमजोरी बनी वजह

मुंबई ।

बढ़ती महंगाई का असर अब बजट इलेक्ट्रॉनिक्स पर दिख रहा है। एक दशक से भी ज्यादा समय में पहली बार एंट्री-लेवल स्मार्टफोन और टीवी की बिक्री में भारी गिरावट दर्ज हुई है। मेमोरी चिप की ऊंची कीमतों और रुपये की कमजोरी से उत्पादन लागत बढ़ने के कारण ग्राहकों ने खरीदारी टाली है। एक मार्केट रिसर्च फर्म के आंकड़ों के अनुसार जनवरी से मई के दौरान 12,000 रुपए से कम कीमत वाले स्मार्टफोन की बिक्री में 54 फीसदी की भारी गिरावट आई है। नतीजतन, कुल स्मार्टफोन बिक्री में एंट्री-लेवल सेगमेंट की हिस्सेदारी घटकर सिर्फ 14 फीसदी रह गई है। इसके विपरीत 12,000-30,000 रुपए कीमत वाले फोन की बिक्री में 17 फीसदी और 30,000 रुपए से ऊपर के प्रीमियम स्मार्टफोन की बिक्री में 6 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। टीवी बाजार में भी यही रुझान देखने को मिला। जनवरी-जून के दौरान 32 इंच टीवी की बिक्री 35 फीसदी से अधिक घटी है, जबकि 43 इंच और उससे बड़े टीवी की मांग में 8-15 फीसदी का उछाल आया है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार बड़े टीवी में मेमोरी चिप की लागत का हिस्सा कम होने से उनकी कीमतों में अपेक्षाकृत कम वृद्धि हुई है। पिछले कुछ महीनों में 32 इंच टीवी की कीमत औसतन 3,000-3,500 रुपए और 43 इंच मॉडल की 3,000-5,000 रुपए तक बढ़ चुकी है, क्योंकि मेमोरी चिप की कीमतें दो से तीन गुना तक बढ़ गई हैं।

खुदरा महंगाई ने तोड़ा आरबीआई का लक्ष्य, जून में 4.38 फीसदी पर पहुंची

ईंधन व खाद्य पदार्थों ने बढ़ाई रफ्तार, नई श्रृंखला में पहली बार 4 फीसदी का आंकड़ा पार

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार भारत की खुदरा महंगाई दर जून में बढ़कर 4.38 फीसदी हो गई, जो मई में 3.93 फीसदी थी। नई उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) श्रृंखला के तहत जनवरी 2025 के बाद यह पहली बार है जब महंगाई दर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 4 फीसदी के लक्ष्य को पार कर गई है। इसे मुख्य तौर पर ईंधन की कीमतों में तेजी के कारण परिवहन, खाद्य और रेस्तरां सेवाओं की लागत बढ़ने से रफ्तार मिली। हालांकि अर्थशास्त्रियों का एक बड़ा वर्ग मानता है कि 5 अगस्त को होने वाली भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में ब्याज दरों में तत्काल वृद्धि की कोई गुंजाइश नहीं है। इसका एक प्रमुख कारण कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में आई बड़ी गिरावट है, जो अप्रैल में 114 डॉलर प्रति बैरल से घटकर जुलाई में करीब 71 डॉलर प्रति बैरल रह गई है। जून का महंगाई आंकड़ा 2024 की नई सीपीआई श्रृंखला के तहत छठा आंकड़ा है। मई के मध्य में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि के बाद जून इस आंकड़े का पहला पूरा महीना था, जिसका असर परिवहन खंड में स्पष्ट दिखा, जहां महंगाई दर मई में 1.75 फीसदी से बढ़कर जून में 4.31 फीसदी हो गई। उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक (सीएफपीआई) के आधार पर खाद्य महंगाई दर भी जून में 5.32 फीसदी हो गई, जो मई में 4.78 फीसदी थी। यह अदरक (50.41 फीसदी) और टमाटर (31.92 फीसदी) जैसी सब्जियों की कीमतों में तेज वृद्धि के कारण हुआ। ग्रामीण क्षेत्रों में खुदरा महंगाई बढ़कर 4.74 फीसदी हो गई, जो शहरी क्षेत्रों में दर्ज 3.92 फीसदी से अधिक है। इक्रा की एक मुख्य अर्थशास्त्री ने कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट को देखते हुए नीतिगत दरों में बदलाव की संभावना से इनकार किया है, हालांकि वह पश्चिम एशिया में तनाव और मानसून के परिणामों पर अधिक स्पष्टता की आवश्यकता पर जोर देती हैं। इसके विपरीत, बैंक ऑफ बड़ौदा के मदन सबनवीस वर्ष के अंत तक, संभवतः अक्टूबर के बाद, दर वृद्धि की संभावना देखते हैं। अर्थशास्त्री मूल्य दबाव बने रहने की आशंका जता रहे हैं, क्रिसिल ने इस वित्त वर्ष में औसत महंगाई 5.1 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है।

थोक मुद्रास्फीति जून में बढ़कर 9.87 फीसदी, वैश्विक तनाव का असर

खाद्य और खनिज तेल की कीमतों में आए उछाल के कारण हुई वृद्धि

नई दिल्ली ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार जून में थोक मुद्रास्फीति (डब्ल्यूपीआई) बढ़कर 9.87 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो मई में 9.68 प्रतिशत थी। यह वृद्धि मुख्य रूप से पश्चिम एशिया में जारी संकट, होर्मुज जलडमरूमध्य की संभावित नाकेबंदी, खाद्य और खनिज तेल की कीमतों में आए उछाल के कारण हुई है। भारत अपने अधिकतर कच्चे तेल का आयात इसी जलडमरूमध्य के जरिये करता है, जिससे लागत बढ़ रही है। मंत्रालय के अनुसार, जून के आंकड़ों पर खनिज तेल (पेट्रोलियम उत्पादों सहित), खाद्य वस्तुएं, विनिर्मित मूल धातु तथा विनिर्मित रसायन एवं रासायनिक उत्पादों की कीमतों का असर दिखा। आंकड़ों के मुताबिक खाद्य वस्तुओं में महंगाई मई के 3.60 प्रतिशत से बढ़कर जून में 5.49 प्रतिशत हो गई। वहीं गैर-खाद्य वस्तुओं में यह 11.07 प्रतिशत और ईंधन व बिजली में 27.41 प्रतिशत (मई में 30.33 प्रतिशत) दर्ज की गई। विनिर्मित उत्पादों की श्रेणी में थोक मुद्रास्फीति मई की तरह जून में भी 7.48 प्रतिशत पर स्थिर रही। खुदरा या उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति भी जून में 17 महीने के उच्च स्तर 4.38 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो मई में 3.93 प्रतिशत थी। भारतीय रिजर्व बैंक मौद्रिक नीति तय करते समय सीपीआई पर गौर करता है।

जीवन बीमा क्षेत्र में पहली तिमाही अप्रैल-जून में 27.6 फीसदी एपीई बढ़ी

नई दिल्ली।

पिछले कुछ वर्षों में बड़े नियामक बदलावों और बाजार की बदलती गतिशीलता से गुजरने के बाद भारतीय जीवन बीमा उद्योग ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में जबरदस्त वापसी की है। नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक सेक्टर में न केवल नई पॉलिसियों की बिक्री तेज हुई है, बल्कि लोग अब पहले से कहीं अधिक बीमा कवर भी ले रहे हैं, जो वित्तीय सुरक्षा के प्रति बढ़ती उपभोक्ता जागरूकता और कंपनियों के सफल समायोजन को दर्शाता है। मार्च में पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और शेयर बाजार में तेज उतार-चढ़ाव के कारण कई लोगों ने नई पॉलिसी खरीदने का फैसला कुछ समय के लिए टाल दिया था, जिसके चलते कारोबार में अस्थायी सुस्ती आई थी। हालांकि, अप्रैल की शुरुआत से ही मांग में फिर से मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। निजी जीवन बीमा कंपनियों की नई पॉलिसियों से होने वाली आय एनुअलाइज्ड प्रीमियम इक्वीवेलेंट (एपीई) में पहली तिमाही में कुल मिलाकर 27.6 फीसदी की प्रभावशाली बढ़ोतरी दर्ज की गई। मासिक आंकड़ों पर गौर करें तो अप्रैल में एपीई 21.7, मई में 12.3 फीसदी और जून में 13.6 फीसदी बढ़ा। इस तिमाही की सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि बीमा कवर की वृद्धि नई पॉलिसियों की संख्या या एपीई वृद्धि से कहीं ज्यादा रही।

निजी कंपनियों का कुल बीमा कवर पहली ` तिमाही 27 में 47.1 फीसदी बढ़ा, जो इस बात का स्पष्ट संकेत है कि ग्राहक अब सिर्फ बीमा पॉलिसियां नहीं खरीद रहे, बल्कि कम रकम के बजाय ज्यादा सुरक्षा और बड़ा कवर देने वाले उत्पादों को प्राथमिकता दे रहे हैं।

यह लोगों में वित्तीय नियोजन और भविष्य की अनिश्चितताओं के प्रति बढ़ती जागरूकता को उजागर करता है।

चीन का निर्यात चमका, एआई के बढ़ते इस्तेमाल से मांग मजबूत

जून में निर्यात में 27 फीसदी की वृद्धि, आयात में भी 36 फीसदी का उछाल

हांगकांग ।

चीन ने जून में सालाना आधार पर 27 प्रतिशत की मजबूत निर्यात वृद्धि दर्ज की है। कृत्रिम मेधा (एआई) के तेजी से बढ़ते उपयोग से उत्पन्न मजबूत वैश्विक मांग ने इस उछाल को बढ़ावा दिया। चीन के सीमा शुल्क विभाग के मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार यह वृद्धि अर्थशास्त्रियों के अनुमान से कहीं बेहतर रही और मई की 19.4 प्रतिशत की वृद्धि को भी पीछे छोड़ दिया। इसी अवधि में, आयात में भी 36 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि हुई, जो मई के 27.4 प्रतिशत से अधिक है। इलेक्ट्रिक वाहन, अन्य प्रौद्योगिकी और सेमीकंडक्टर जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के निर्यात में विशेष तेजी आई, जो एआई अपनाने की बढ़ती दर का परिणाम है। निर्यात आधारित विनिर्माण क्षेत्र की यह मजबूती देश में घरेलू उपभोग और निवेश में जारी कमजोरी के प्रभाव को आंशिक रूप से संतुलित कर रही है। अमेरिका और यूरोप जैसे देशों द्वारा बढ़ते व्यापार घाटे को लेकर चिंता जताए जाने के बीच, चीन अधिक शुल्क जैसी व्यापारिक बाधाओं से बचने के लिए यूरोप में स्थानीय उत्पादन बढ़ा रहा है और दक्षिण-पूर्व एशिया, लातिन अमेरिका तथा अफ्रीका जैसे नए बाजारों में अपने निर्यात का विस्तार कर रहा है।

बंदरगाहों पर नहीं, बाहर टूट रही सप्लाई चेन! जेएनपीए जाम ने खोली लॉजिस्टिक्स सिस्टम की पोल

रिकॉर्ड कार्गो हैंडलिंग के बावजूद ट्रेलर ड्राइवरों की कमी, जाम, खराब सड़कें और सीमित पार्किंग बनीं बाधा

नई दिल्ली ।

भारत के बंदरगाह लगातार रिकॉर्ड माल ढुलाई संभाल रहे हैं, लेकिन माल को बंदरगाह से समय पर बाहर निकालना बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। देश के सबसे बड़े कंटेनर गेटवे जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (जेएनपीए) में हाल में देखने को मिली भारी भीड़ ने लॉजिस्टिक्स व्यवस्था की कमजोर कड़ियों को उजागर कर दिया है। इक्रिस कैपिटल के एक अधिकारी के मुताबिक जेएनपीए में पैदा हुई समस्या बंदरगाह की क्षमता से जुड़ी नहीं थी। उनका कहना है कि टर्मिनल संचालन सामान्य रहा, लेकिन ट्रेलर और ड्राइवरों की कमी के कारण कंटेनरों की निकासी प्रभावित हुई। इससे साफ है कि बंदरगाहों और जमीनी परिवहन नेटवर्क के बीच तालमेल अभी भी कमजोर है।

महाराष्ट्र राज्य मोटर मालिक संगठन के अनुसार खाली कंटेनर यार्ड में ट्रकों को कई बार 6 घंटे से लेकर पूरे दिन तक इंतजार करना पड़ता है, जबकि सामान्य परिस्थितियों में यह प्रक्रिया दो घंटे से कम समय में पूरी हो जानी चाहिए। ड्राइवरों की कमी और परिचालन अक्षमताएं इस समस्या की बड़ी वजह हैं। संगठन का कहना है कि बंदरगाह क्षेत्र में ड्राइवरों के लिए अस्पताल, कैंटीन और अन्य बुनियादी सुविधाओं का अभाव है।

यही कारण है कि नए ड्राइवर इस रूट पर काम करने से बच रहे हैं, जिससे संकट और गहरा रहा है। उद्योग से जुड़े सूत्रों के मुताबिक निजी खाली कंटेनर यार्डों की अधिक संख्या और सीमित पार्किंग क्षमता के कारण वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं। एक ट्रक चालक ने बताया कि महज 7 किलोमीटर की दूरी तय करने में कभी-कभी तीन घंटे तक लग जाते हैं। मई में स्थिति इतनी गंभीर हो गई थी कि आयातित माल की निकासी में 12 से 15 दिनों तक की देरी दर्ज की गई।

बच्चों की शिक्षा के लिए आरबीआई का विशेष बचत प्लान, अधिक ब्याज पर विचार

महंगाई और बढ़ती शिक्षा लागत के बीच परिवारों को राहत देने का लक्ष्य

मुंबई ।

बढ़ती महंगाई और शिक्षा की बढ़ती लागत के दबाव के बीच भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) बच्चों की पढ़ाई के लिए एक विशेष बचत योजना शुरू करने पर विचार कर रहा है। इस प्रस्तावित योजना के तहत बच्चों की शिक्षा के लिए खोले जाने वाले खातों पर सामान्य बचत खातों की तुलना में अधिक ब्याज दिया जा सकता है, ताकि परिवार समय रहते बेहतर शिक्षा फंड तैयार कर सकें। आरबीआई ने इस प्रस्ताव पर बैंकों से राय और सुझाव मांगे हैं। सूत्रों के अनुसार केंद्रीय बैंक ने बैंकों से इस विषय पर व्यावहारिक पहलुओं पर प्रतिक्रिया मांगी है। बैंकिंग उद्योग अब इस पर आपसी चर्चा कर अपनी सिफारिशें आरबीआई को सौंपेगा। एक सरकारी बैंक के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरबीआई ने इस संबंध में सुझाव साझा करते हुए बैंकों से फीडबैक मांगा है। बैंक निजी क्षेत्र के बैंकों के साथ मिलकर इस प्रस्ताव का अध्ययन कर रहे हैं और जल्द अपनी रिपोर्ट देंगे। एक अन्य बैंक अधिकारी के अनुसार यदि इस तरह का विशेष बचत उत्पाद लागू किया जाता है तो इसके लिए नए नियामकीय प्रावधानों की आवश्यकता होगी।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 54 पैसे गिरकर 96.22 पर बंद हुआ। 22 मई के बाद रुपया पहली बार डॉलर के मुकाबले 96 के पार पहुंचा है। पिछले सत्र में यह 95.62 पर बंद हुआ था। मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने और अमेरिका तथा ईरान के बीच संघर्ष तेज होने से भी कच्चे तेल की कीमतों पर प्रभाव पड़ा है इससे भी भारतीय रुपये पर दबाव बना है। वहीं आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 48 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.16 पर पहुंच गया। नए सिरे से बढ़े भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और निवेशकों के सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख करने से अमेरिकी डॉलर की मांग बढ़ी जिससे रुपये पर दबाव बना। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.95 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में यह टूटकर 96.16 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव की तुलना में 48 पैसे की कमजोरी दिखाता है। रुपया सोमवार को 30 पैसे की गिरावट के साथ 95.68 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी की गिरावट के साथ 101.17 पर रहा।

घरेलू बाजार में सोने-चांदी की चमक लौटी

सोना 640 रुपए तेज होकर 1,40,949 प्रति 10 ग्राम, चांदी 582 बढ़कर 2,18,300 प्रति किलो

नई दिल्ली ।

घरेलू वायदा बाजार में मंगलवार को सोने और चांदी के भाव में सुधार देखने को मिला। सोमवार को आई बड़ी गिरावट के बाद मंगलवार को दोनों महंगी धातुओं के भाव तेजी के साथ खुले। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी के वायदा भाव उछाल पर कारोबार कर रहे थे। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय बाजार में जहां सोने में तेजी दिखी, वहीं चांदी के भाव में हल्की गिरावट दर्ज की गई। एमसीएक्स पर अगस्त डिलीवरी वाले सोने के वायदा भाव 640 रुपये की तेजी के साथ 1,40,949 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुले। पिछला बंद भाव 1,40,309 रुपये था। खबर लिखे जाने तक यह 522 रुपये की बढ़त के साथ 1,40,831 रुपये पर कारोबार कर रहा था। दिन के कारोबार में इसने 1,41,000 रुपये का उच्च स्तर और 1,40,796 रुपये का निम्न स्तर छुआ। इस साल सोने ने 1,80,779 रुपये का सर्वोच्च स्तर भी देखा है। चांदी के वायदा भाव में भी मजबूती देखने को मिली। सितंबर डिलीवरी के लिए चांदी का बेंचमार्क अनुबंध 615 रुपये की तेजी के साथ 2,18,333 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला। सोमवार को यह 2,17,718 रुपये पर बंद हुआ था। खबर लिखे जाने के समय चांदी 582 रुपये की बढ़त के साथ 2,18,300 रुपये पर कारोबार कर रही थी। दिन में चांदी ने 2,18,566 रुपये का उच्चतम स्तर और 2,17,923 रुपये का न्यूनतम स्तर छुआ। इस साल चांदी का सर्वोच्च स्तर 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो कॉमेक्स पर सोने के वायदा भाव में मजबूती दर्ज की गई, जबकि चांदी में हल्की नरमी देखने को मिली। कॉमेक्स पर सोना 15.40 डॉलर की तेजी के साथ 4,021.10 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जो 4,005.70 डॉलर के पिछले बंद भाव से ऊपर था। हालांकि कॉमेक्स पर चांदी 0.11 डॉलर की गिरावट के साथ 57.86 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी, जो 57.97 डॉलर के पिछले बंद भाव से नीचे थी। इस साल सोने ने 5,586.20 डॉलर और चांदी ने 121.79 डॉलर का उच्चतम स्तर छुआ है।

केरल सरकार ने केआईआईएफबी की समीक्षा के लिए समिति गठित की

समिति संस्थागत, वित्तीय और प्रशासनिक पहलुओं की जांच करेगी

तिरुवनंतपुरम ।

केरल में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) सरकार ने राज्य के महत्वपूर्ण वित्तीय निकाय, केरल अवसंरचना निवेश कोष बोर्ड (केआईआईएफबी) के समग्र कामकाज की समीक्षा के लिए एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया है। इस समिति की अध्यक्षता सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सुधा पिल्लई करेंगी। सरकार का लक्ष्य केआईआईएफबी की दीर्घकालिक स्थिरता को मजबूत करना, प्रशासनिक मानकों में सुधार लाना और राज्य के अवसंरचना विकास को समर्थन देने की इसकी क्षमता को बढ़ाना है। समिति को केआईआईएफबी के संस्थागत, वित्तीय, प्रशासनिक और परिचालन ढांचे की गहन जांच करने का दायित्व सौंपा गया है। इसे विशेष रूप से केरल राज्य योजना बोर्ड और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स द्वारा परिकल्पित मूल उद्देश्यों, दायित्वों और भूमिका की समीक्षा करनी होगी। कार्यादेश में समिति से ऐसे किसी भी व्यय, लेनदेन या वित्तीय व्यवस्था की पहचान करने के लिए कहा गया है, जिसे उसकी राय में लेखा-परीक्षा, वित्तीय प्रबंधन या प्रशासनिक दृष्टि से विस्तृत जांच की आवश्यकता हो। इसके अतिरिक्त समिति को किसी भी संभावित अनियमितता या प्रणालीगत कमी का पता लगाने तथा संगठन के पुनर्गठन, सरकारी तंत्र में उसकी क्षमता के पुनर्विनियोजन और स्थापित अनुषंगी इकाइयों के भविष्य के बारे में सिफारिशें प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

जोस बटलर ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, 200वां वनडे मैच खेलने वाले इंग्लैंड के दूसरे खिलाड़ी बने

बर्मिंघम। जोस बटलर ने मंगलवार को अपने शानदार इंटरनेशनल करियर में एक और उपलब्धि हासिल की। एजबेस्टन में भारत के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के पहले मैच में मैदान पर उतरते ही वे इंग्लैंड के लिए 200 वनडे इंटरनेशनल मैच खेलने वाले दूसरे क्रिकेटर बन गए। यह अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन (225 वनडे) के साथ एक खास क्लब में शामिल हो गए। उन्होंने यह उपलब्धि फरवरी 2012 में दुबई में पाकिस्तान के खिलाफ अपने वनडे डेब्यू के 14 साल बाद हासिल की।

एक रोमांचक युवा फिनिशर से लेकर इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल क्रिकेट में बदलाव लाने वाले मुख्य खिलाड़ियों में से एक बनने तक, बटलर लिमिटेड-ओवर्स क्रिकेट में टीम के एक ग्लोबल ताकत के रूप में उभरने में अहम रहे हैं। 34 वर्षीय खिलाड़ी ने 171 पारियों में 39.11 की औसत और 115.20 के शानदार स्ट्राइक रेट से 5,515 रन बनाए हैं। उन्होंने 11 शतक और 29 अर्धशतक जड़े हैं, जिसमें नाबाद 162 रन उनका सर्वोच्च स्कोर है।

इंग्लैंड के वनडे सेटअप पर बटलर का असर सिर्फ आंकड़ों तक ही सीमित नहीं है। उनके निडर स्ट्रोकप्ले ने टीम की बल्लेबाजी की सोच को बदलने में मदद की, जबकि 2015 में पाकिस्तान के खिलाफ 46 गेंदों में लगाया गया उनका शतक इस फॉर्मेट में इंग्लैंड का सबसे तेज शतक है। वे एकमात्र ऐसे इंग्लिश बल्लेबाज हैं जिन्होंने 50 या उससे कम गेंदों में तीन वनडे शतक लगाए हैं और नंबर 5 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सबसे ज्यादा (आठ) वनडे शतक लगाने का रिकॉर्ड भी उनके नाम है।

बटलर के करियर का एक यादगार पल लॉर्ड्स में 2019 ICC मेन्स क्रिकेट वर्ल्ड कप फाइनल में आया। मार्टिन गुप्टिल को रन-आउट करके उन्होंने एक यादगार सुपर ओवर के बाद इंग्लैंड को उसका पहला 50-ओवर का वर्ल्ड कप खिताब जिताया, जबकि मैच में पहले लगाई गई उनकी संयमित अर्धशतकीय पारी भी उतनी ही अहम साबित हुई। मॉर्गन के रिटायरमेंट के बाद बटलर इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल कप्तान बने और ऑस्ट्रेलिया में 2022 ICC पुरुष टी20 वर्ल्ड कप का खिताब टीम को जिताया। इसके बाद 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद उन्होंने कप्तानी छोड़ दी।

उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन और आक्रामक खेलने के तरीके ने उन्हें इस फॉर्मेट के महान खिलाड़ियों में शामिल कर दिया है। 5000 वनडे रन बनाने वाले बल्लेबाजों में सिर्फ पाकिस्तान के दिग्गज शाहिद अफरीदी का स्ट्राइक रेट बटलर के 115.20 से ज़्यादा है। वह 2500 से ज्यादा वनडे रन बनाने वाले इकलौते ऐसे खिलाड़ी हैं जिनका औसत 36 से ज्यादा और स्ट्राइक रेट 110 से ज्यादा है। इसके अलावा उनके 184 ODI छक्के एक्टिव खिलाड़ियों में दूसरे नंबर पर हैं; उनसे आगे सिर्फ भारत के रोहित शर्मा हैं।

इस उपलब्धि पर बात करते हुए बटलर ने कहा कि इससे उन्हें उस उत्साह की याद आ गई जो उन्होंने पहली बार इंग्लैंड के लिए खेलते समय महसूस किया था। बटलर ने इंस्टाग्राम पर इंग्लैंड क्रिकेट द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में कहा, 'हां, बहुत गर्व महसूस हो रहा है।

● जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट

सिंधू की शानदार शुरुआत

मलेशिया की वोंग लिंग चिंग के खिलाफ आसानी से जीत दर्ज की

डलास, एजेंसी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत करते हुए महिला एकल के दूसरे दौर में जगह बना ली है। मंगलवार को खेले गए पहले दौर के मुकाबले में विश्व की 10वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग को 21-14, 21-11 से हराकर आसानी से जीत दर्ज की।

आक्रामक खेल दिखाया, सिंधू ने शुरू से बनाए रखा दबदबा

सिंधू ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने लंबी रैलियों में नियंत्रण बनाए रखते हुए शुरुआती बढ़त हासिल की और पहले गेम के इंटरवल तक 11-6 से आगे रहीं। इसके बाद उनके सटीक ड्रॉप शॉट, बैकहैंड और हाफ-स्मैश ने मलेशियाई खिलाड़ी पर लगातार दबाव बनाए रखा। भारतीय स्टार ने पहला गेम 21-14 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी उन्होंने विरोधी खिलाड़ी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। सिंधू ने जल्द ही 8-2 की बढ़त बनाई और इंटरवल तक स्कोर 11-3 कर दिया। इसके बाद उन्होंने लगातार अंक जुटाते हुए 21-11 से गेम और मैच जीत लिया।

ध्रुव-तनीशा की जोड़ी भी दूसरे दौर में

मिश्रित युगल में भारत के ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो ने भी शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय जोड़ी ने स्कॉटलैंड के एलेक्जेंडर डन और जूली मैकफर्सन को 21-16, 21-14 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया हालांकि भारत को मिश्रित युगल में एक निराशा भी हाथ लगी। रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे की जोड़ी पहले ही दौर में शीर्ष वरीय चीन के फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग के खिलाफ टिक नहीं सकी। चीनी जोड़ी ने मुकाबला 21-11, 21-10 से जीतकर भारतीय खिलाड़ियों का अभियान समाप्त कर दिया। अब भारतीय बैडमिंटन प्रेमियों की नजरें दूसरे दौर में पीवी सिंधू और ध्रुव-तनीशा की जोड़ी पर होंगी। सिंधू यदि अपनी मौजूदा लय बरकरार रखती हैं तो जापान ओपन में खिताब की दावेदारों में मजबूती से बनी रह सकती हैं।

खेल मंत्रालय ने जूडो महासंघ को सशर्त मान्यता दी

नई दिल्ली, एजेसी। खेल मंत्रालय ने भारतीय जूडो महासंघ (जेएफआई) के अंतरिम निकाय को सशर्त मान्यता दे दी है, जिसका चुनाव दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के बाद पिछले महीने हुआ था। मंत्रालय ने इसके साथ ही चेतावनी दी कि अगर वह अदालत के निर्देशों का पालन नहीं करेगा तो उसे निलंबित कर दिया जाएगा।

जेएफआई का संचालन 2022 से अदालत से नियुक्त प्रशासक कर रहे थे। दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस साल फरवरी में अपने फैसले में निकाय को वार्षिक आम बैठक बुलाने और इस साल की शुरुआत में लागू किए गए राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम के प्रावधानों का पालन करने के लिए कहा था। इसके बाद महासंघ ने अंतरिम कार्यकारी समिति का चुनाव किया, जिसके अध्यक्ष मुकेश कुमार हैं जबकि बानी ब्राता दास महासचिव और शैलेश तिलक कोषाध्यक्ष हैं।

मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा, 'यह फैसला किया गया है कि भारतीय जूडो महासंघ की कार्यकारी समिति (अंतरिम निकाय) को तत्काल प्रभाव से मान्यता दी जाए।' इसमें कहा गया है, 'यह मान्यता दिल्ली उच्च न्यायालय तथा अन्य माननीय उच्च न्यायालयों में लंबित जेएफआई की कार्यकारी समिति के चुनावों से संबंधित चल रहे मामलों के परिणाम पर निर्भर करेगी।' मंत्रालय ने कहा कि उच्च न्यायालय के निर्देशों का सख्ती से पालन नहीं कर पाने पर मान्यता रद्द कर दी जाएगी।

अधिसूचना के अनुसार, 'अंतरिम निकाय की ओर से किसी भी चूक और किसी भी तरह की गंभीर अनियमितता की स्थिति में मान्यता को रद्द किया जा सकता है।' मंत्रालय ने अदालत के निर्देशानुसार जेएफआई को कार्यकारी समिति के अंतिम चुनाव कराने के लिए कहा है।

मंत्रालय ने कहा, 'जेएफआई के अंतरिम निकाय को दिल्ली उच्च न्यायालय के 12 फरवरी के आदेश के अनुसार निर्धारित समय सीमा के भीतर राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम, 2025 और उसके नियमों के अनुरूप अपना संविधान संशोधित करना होगा।' मंत्रालय ने जेएफआई से उच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन किए जाने की मौजूदा स्थिति पर मासिक रिपोर्ट देने के लिए भी कहा है।

जेएफआई ने जून में हुए चुनावों में शीर्ष तीन अधिकारियों के अलावा चार उपाध्यक्ष और चार संयुक्त सचिव भी चुने। इनमें से एक पदाधिकारी पूर्व टेनिस खिलाड़ी मनीषा मल्होत्रा हैं, जो खेल प्रबंधन में भी सक्रिय रूप से शामिल रही हैं।

एशियन अंडर-19 बॉक्सिंग चैंपियनशिप: भारत के नौ मुक्केबाज फाइनल में, छह कांस्य पदक भी पक्के

जकार्ता, एजेंसी। एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। सोमवार को खेले गए अंडर-19 वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबलों में भारत के नौ मुक्केबाजों ने फाइनल में जगह बनाई, जबकि छह मुक्केबाजों ने कांस्य पदक अपने नाम किए।

महिला वर्ग में भारत का दबदबा

अंडर-19 महिला वर्ग में भारत की सभी आठों मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश किया। चाहत (60 किग्रा) ने चीनी ताइपे की पेई-चुन त्साई को 5-0 से हराया। अंशिका (75 किग्रा) ने चीनी ताइपे की आन-ची त्सेंग को पहले राउंड में आरएससी (रेफरी स्टॉप्ड कॉन्टेस्ट) से मात दी। मेघा श्योकंद (80 किग्रा) की प्रतिद्वंद्वी वियतनाम की मुक्केबाज मुकाबला जारी नहीं रख सकीं, जिससे मेघा सीधे फाइनल में पहुंच गईं। प्राची तोकस (+81 किग्रा) ने चीनी ताइपे की शू-शियान वांग को पहले राउंड में आरएससी से हराकर फाइनल का टिकट कटाया। इससे पहले जीत दर्ज करने वाली भारतीय मुक्केबाजों के साथ अब अंडर-19 महिला वर्ग में भारत की सभी आठ खिलाड़ी फाइनल में पहुंच चुकी हैं।

अंडर-19 में दो भारतीय फाइनल में

पुरुष वर्ग में भारत के दो मुक्केबाजों ने फाइनल में जगह बनाई। आदित्य (55 किग्रा) ने दक्षिण कोरिया के ह्योनमिन ली को दूसरे राउंड में आरएससी से हराया। शुभम राजपूत (90 किग्रा) ने किर्गिस्तान के आइतबेक बेर्दिमुरातोव को 3-2 के करीबी मुकाबले में शिकस्त दी। वहीं, सेमीफाइनल में हारने वाले छह भारतीय मुक्केबाजों को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

अंडर-23 महिला वर्ग

महिला वर्ग में पांच भारतीय मुक्केबाज फाइनल में पहुंचीं। निशा (54 किग्रा) ने दक्षिण कोरिया की ह्येजू ली को हराया। निकिता चंद (60 किग्रा) ने जापान की सारी कोकुफू को मात दी। काजल (65 किग्रा) ने किर्गिस्तान की गुलजीना मेल्सवेक को हराया। इस मुकाबले में रेफरी को भारतीय मुक्केबाज के दबदबे के कारण मुकाबला रोकना पड़ा।

भारतीय टेबल टेनिस ने रचा इतिहास

मानव-मानुष बने दुनिया की नंबर-2 पुरुष युगल जोड़ी

नई दिल्ली, एजेसी। भारतीय टेबल टेनिस को बड़ी उपलब्धि मिली है। स्टार खिलाड़ी मानव ठक्कर और मानुष शाह ने इतिहास रचते हुए इंटरनेशनल टेबल टेनिस फेडरेशन की नवीनतम पुरुष युगल रैंकिंग में दुनिया की नंबर-2 जोड़ी बनने का गौरव हासिल किया है। इसके साथ ही वे सीनियर विश्व रैंकिंग में इतनी ऊंची रैंक हासिल करने वाले भारत के पहले खिलाड़ी या जोड़ी बन गए हैं।मानव ठक्कर और मानुष शाह पिछले सप्ताह पहली बार करियर की सर्वश्रेष्ठ विश्व नंबर-3 रैंकिंग पर पहुंचे थे। अब उन्होंने एक और स्थान की छलांग लगाकर नया इतिहास रच दिया। इससे पहले भारत का सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड अर्चना कामथ और मनिका बत्रा के नाम था, जिन्होंने 2022 में महिला युगल रैंकिंग में विश्व नंबर-4 स्थान हासिल किया था।

चीन नंबर-1, भारतीय जोड़ी दूसरे स्थान पर

ताजा रैंकिंग में चीन की लिन शिडोंग और हुआंग यूझेंग की जोड़ी 5160 अंकों के साथ पहले स्थान पर बनी हुई है। वहीं मानव ठक्कर और मानुष शाह 3390 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। फ्रांस के स्टार एलेक्सिस और फेलिक्स लेब्रुन की जोड़ी दूसरे से फिसलकर पांचवें स्थान पर पहुंच गई, जिसका फायदा भारतीय जोड़ी को मिला। मानव और मानुष की यह उपलब्धि पिछले एक साल के लगातार बेहतरीन प्रदर्शन का नतीजा है। भारतीय टेबल टेनिस के दिग्गज शरत कमल के मार्गदर्शन में दोनों खिलाड़ियों ने डब्ल्यूटीटी सर्किट में लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन किया है।

यह उपलब्धि ऐसे समय आई है जब जापान के आइची-नागोया में होने वाले 2026 एशियन गेम्स में तीन महीने से भी कम समय बचा है।मानव और मानुष से इस बार पुरुष युगल में भारत को पदक की बड़ी उम्मीदें होंगी। 2023 हांगझोऊ एशियन गेम्स में दोनों की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया की तत्कालीन विश्व नंबर-1 जोड़ी से हारकर पदक से चूक गई थी। मानव ठक्कर और मानुष शाह की यह उपलब्धि साबित करती है कि भारतीय टेबल टेनिस अब विश्व स्तर पर लगातार अपनी मजबूत पहचान बना रहा है।

सेमीफाइनल में खास जर्सी पहनना चाहता है अर्जेंटीना

● फीफा से मांगी खास जर्सी पहनने की अनुमति

लंदन, एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल से पहले अर्जेंटीना ने एक खास अनुरोध कर सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लियोनेल मेसी की टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में अपनी पारंपरिक आसमानी-सफेद जर्सी की जगह नेवी ब्लू (गहरे नीले रंग) की वैकल्पिक जर्सी पहनने की अनुमति फीफा से मांगी है। माना जा रहा है कि इस फैसले के पीछे इंग्लैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप में मिली ऐतिहासिक सफलताओं का अंधविश्वास भी जुड़ा हुआ है।रिपोर्ट्स के अनुसार, अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने फीफा से सेमीफाइनल में नेवी ब्लू अवे किट पहनने की अनुमति मांगी है। मौजूदा वर्ल्ड कप में अर्जेंटीना ने इस जर्सी का इस्तेमाल केवल ग्रुप स्टेज में जॉर्डन के खिलाफ किया था। इसके बाद टीम सभी मुकाबलों में अपनी पारंपरिक होम जर्सी में उतरी। फीफा हर मुकाबले से पहले दोनों टीमों की जर्सी का अंतिम फैसला करता है ताकि खिलाड़ियों, रेफरी और दर्शकों को रंगों में कोई भ्रम न हो।

इंग्लैंड के खिलाफ इस जर्सी का खास इतिहास

नेवी ब्लू जर्सी का इंग्लैंड के खिलाफ अर्जेंटीना के लिए खास इतिहास रहा है। 1986 वर्ल्ड कप क्वार्टरफाइनल में डिएगो माराडोना ने इसी जर्सी में 'हैंड ऑफ गॉड' और 'गोल ऑफ द सेंचुरी' की मदद से टीम को 2-1 की यादगार जीत दिलाई थी। इसके बाद 1998 वर्ल्ड कप के राउंड ऑफ-16 में भी अर्जेंटीना ने इसी जर्सी में इंग्लैंड को पेनल्टी शूटआउट में हराया था। हालांकि 2002 वर्ल्ड कप में अर्जेंटीना ने अपनी पारंपरिक होम जर्सी पहनी और इंग्लैंड से 0-1 से हार गया था। इसी वजह से स्थानीय मीडिया इसे टीम का 'लकी किट' भी बता रहा है।

इंग्लैंड पारंपरिक सफेद जर्सी में उतरेगा

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंग्लैंड सेमीफाइनल में अपनी पारंपरिक ऑल-व्हाइट होम किट में मैदान पर उतरेगा। वहीं अर्जेंटीना की नेवी ब्लू जर्सी पहनने की मांग पर अंतिम फैसला फीफा के किट नियमों के अनुसार लिया जाएगा।

फाइनल का टिकट दांव पर

सेमीफाइनल मुकाबले में दोनों टीमों के सामने फाइनल में जगह बनाने का बड़ा मौका होगा। अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचकर खिताब बचाने की कोशिश करेगा, जबकि इंग्लैंड 1966 के बाद पहली बार विश्व कप जीतने के सपने को पूरा करने के इरादे से मैदान में उतरेगा। अब सभी की नजर इस बात पर होगी कि क्या फीफा अर्जेंटीना को उसकी 'लकी' नेवी ब्लू जर्सी पहनने की अनुमति देता है।

जानकारी

जौ का पानी पीने के ये पांच फायदे

हर रोज जौ का पानी पीने से एक ओर जहां स्वास्थ्य से जुड़ी बहुत सी समस्याएं दूर हो जाती हैं, वहीं कई बीमारियों के होने का खतरा भी बहुत कम हो जाता है।

जौ में विटामिन बी-कॉम्प्लेक्स, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, मैगनीज, सेलेनियम, जिंक, कॉपर, प्रोटीन, अमीनो एसिड, डायट्री फाइबर्स और कई तरह के एंटी-ऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। जौ एक बहुत ही फायदेमंद अनाज है। आप चाहे तो इसे अपने रोज के आहार में शामिल कर सकते हैं या फिर एक औषधि के रूप में भी ले सकते हैं।

हर रोज जौ का पानी पीने से एक ओर जहां स्वास्थ्य से जुड़ी बहुत सी समस्याएं दूर हो जाती हैं, वहीं कई बीमारियों के होने का खतरा भी बहुत कम हो जाता है। इसके साथ ही ये शरीर को स्वस्थ रखने में भी बहुत कारगर होता है। कई लोग जौ को भाप द्वारा पकाकर भी इस्तेमाल करते हैं, परंतु जौ का पानी स्वास्थ्य के लिए सबसे अधिक फायदेमंद होता है।

जौ का पानी तैयार करने के लिए कुछ मात्रा में जौ ले लीजिए और उसे अच्छी तरह साफ कर लीजिए। उसके बाद इसे करीब चार घंटे तक पानी में भिंगोकर छोड़ दीजिए। उसके बाद इस पानी को तीन से चार कप पानी में मिलाकर उबाल लीजिए। पर इसे धीमी आंच पर ही उबलने दें।

लगभग 45 मिनट बाद गैस बंद कर दीजिए और इस पानी को ठंडा होने दीजिए। जब ये ठंडा हो जाए तो इसे एक बोतल में भर लीजिए और दिनभर एक से दो गिलास पीते रहें।

जौ के पानी पीने के फायदे

- अगर आपको यूरीन से जुड़ी कोई समस्या है तो जौ का पानी आपके लिए बहुत फायदेमंद होगा। इसके अलावा किडनी से जुड़ी ज्यादातर समस्याओं में भी जौ का पानी बहुत कारगर होता है।
- अगर आप वजन घटाने के लिए प्रयास कर रहे हैं और लाख कोशिश के बावजूद आपका वजन कम नहीं हो पा रहा है तो जौ का पानी आपके लिए रामबाण साबित हो सकता है।
- ब्लड कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने के लिए भी जौ का पानी बहुत फायदेमंद होता है। कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होने की वजह से दिल से जुड़ी कई तरह की समस्याएं होने का खतरा कम हो जाता है। इससे दिल भी स्वस्थ रहता है।
- मधुमेह के रोगियों के लिए जौ का पानी बहुत फायदेमंद होता है। ये शरीर में शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में बहुत सहायक होता है।
- जौ का पानी पीने से शरीर के भीतर मौजूद विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं, जिससे चेहरे पर भी निखार आता है। इसके साथ ही ये इम्यून सिस्टम को भी बेहतर बनाए रखता है।

स्टीम/सॉना बाथ के फायदे और नुकसान

जिम हो या फिर स्पा बिना स्टीम बाथ और सॉना बाथ के अधूरे हैं। ऐसा माना जाता है कि स्टीम बाथ का इतिहास प्राचीन रोमन सभ्यता से जुड़ा हुआ है, जहां से इसकी शुरुआत हुई थी। प्राचीन काल में रोमन वासियों ने कई प्रकार की शारीरिक समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए इस तकनीक को ईजाद किया था।

स्टीम/सॉना बाथ क्या है?

स्टीम बाथ, जैसा की नाम से पता चल रहा है कि भाप के जरिए स्नान करना। यह एक प्रकार का खास स्नान है, जिसमें पानी की जगह पानी की भाप से नहाया जाता है। इसमें सबसे पहले एक कमरे को भाप से लगभग 110 से 114 डिग्री फैरेनहाइट तापमान पर किया जाता है। लोग इस भाप वाले कमरे में कुछ समय के लिए रुक कर भाप के माध्यम से स्नान करते हैं, अर्थात पूरे शरीर की भाप से सिकाई की जाती है। इसलिए, इसे स्टीम बाथ कहते हैं। वहीं, सॉना बाथ में कमरे का तापमान 80 से 90 डिग्री सेल्सियस तक होता है, जिससे पसीने के माध्यम से हानिकारक पदार्थ शरीर से निकल जाते हैं। इसे 5 से लेकर 20 मिनट तक 1 से 3 बार दोहराया जा सकता है।

स्टीम/सॉना बाथ के फायदे

जो लोग स्टीम बाथ या सॉना बाथ लेते हैं, उन्हें भी नहीं मालूम होगा कि वो कितने फायदों का लाभ ले रहे हैं। यहां हम स्टीम बाथ और सॉना बाथ कुछ प्रमुख फायदों का जिक्र कर रहे हैं।

वजन कम करने के लिए स्टीम बाथ लेने के फायदे

क्या आप सोच सकते हैं कि नहाने से वजन कम हो सकता है। नहीं न, तो हम आपको बता दें कि स्टीम या सॉना बाथ लेने से आप अपना वजन कम कर सकते हैं। यह अतिरिक्त कैलोरी को बर्न करने में आपकी मदद करता है, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती हैं। आप सॉना बाथ के लगभग 30 मिनट के सेशन में लगभग 600 कैलोरी तक बर्न कर सकते हैं। कैलोरी बर्न होने से आपके शरीर की अतिरिक्तचर्बी कम हो जाती है और आप अपने वजन में कमी महसूस कर सकते हैं।

रक्त संचार के लिए सॉना बाथ के फायदे

रक्त संचार में सुधार के लिए सॉना या स्टीम बाथ आदर्श तरीके हो सकते हैं। दरअसल, जब आप स्टीम या सॉना बाथ लेने के लिए स्टीम बाथरूम में बैठते हैं, तो शरीर की रक्त वाहिकाएं फैल जाती हैं, जिससे रक्तचाप और पल्स रेट कम हो जाता है, जिससे शरीर में रक्त संचार में सुधार हो सकता है। हालांकि, इस पर अभी और शोध की आवश्यकता है ।

जोड़ों की अकड़न को दूर करने के लिए स्टीम बाथ लेने के फायदे

अगर आप जिम करके आ रहे हैं और जिम के दौरान मांसपेशियों और जोड़ों की अकड़न को दूर करना चाहते हैं, तो स्टीम या सॉना बॉथ आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। ये आपकी मांसपेशियों को रिलैक्स करता है। साथ ही जोड़ों की अकड़न और दर्द में भी राहत प्रदान कर सकता है ।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को ठीक करने के लिए सॉना बाथ के फायदे

आपको जानकर हैरानी होगी कि स्टीम या सॉना बाथ आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को सुधारने में भी आपकी मदद करता है। स्टीम बाथ या सॉना बाथ लेने से शरीर का तापमान बढ़ जाता है। इससे मोनोसाइट्स (एक प्रकार की सफेद रक्त कोशिका) की गतिविधि बढ़ जाती है। ये कोशिकाएं बैक्टीरिया को खत्म करने और मृत ऊतकों को हटाने में मदद करती हैं। इसके अलावा, ये कोशिकाओं के विकास में भी भूमिका अदा करती हैं। मोनोसाइट्स और न्यूट्रोफिल (सफेद रक्त कोशिका के प्रकार) हानिकारक सूक्ष्म जीवों से शरीर की रक्षा करने में मदद करने के साथ ही प्रतिरक्षा प्रणाली में सुधार करते हैं।

तनाव को दूर करने के लिए स्टीम बाथ लेने के फायदे

अगर आप किसी काम को लेकर तनाव ग्रस्त हैं, तो कुछ देर के लिए स्टीम बाथ या सॉना बाथ ले सकते हैं। ये खास स्नान आपके तनाव को दूर करने में आपकी मदद करेंगे। ये दोनों बाथ आपकी बॉडी को रिलैक्स करने के साथ ही शरीर के ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को दूर करने में आपकी मदद कर सकते हैं। इसके साथ ही इस स्नान से चिंता और अवसाद में कमी आती है, जिससे अच्छी नींद लेने में मदद मिलती है।

रक्तचाप को कम करने में मदद करता है

रक्तचाप की समस्या को दूर करने के लिए स्टीम बाथ बेहतर विकल्प हो सकता है। जब आप स्टीम बाथ लेते हैं, तो शरीर का तापमान बढ़ने लगता है। इससे सभी रक्त वाहिकाएं फैल जाती हैं और रक्त वाहिकाओं के फैलने से रक्तचाप कम हो जाता है ।

त्वचा के लिए सॉना बाथ के फायदे

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि स्टीम बाथ आपकी त्वचा के लिए कितना फायदेमंद हो सकता है। स्टीम बाथ लेने से त्वचा के पोर्स खुल जाते हैं, जिनसे पसीना निकलता है। पसीने के साथ ही त्वचा को नुकसान पहुंचाने वाले हानिकारक बैक्टीरिया भी बाहर निकल जाते हैं। इसके अलावा, ये विषाक्त पदार्थ को भी त्वचा से अलग करने में आपकी मदद करते हैं।

स्टीम/सॉना बाथ के नुकसान

सावधानीपूर्वक लिया जाने वाला स्टीम या सॉना बॉथ फायदेमंद होता है, लेकिन लापरवाही बरतने पर नुकसानदायक भी साबित हो सकता है।

- स्टीम या सॉना बाथ लेने से पहले एक बात जरूर ध्यान रखें कि ज्यादा देर तक बाथ लेने से गर्म तापमान के कारण आपकी त्वचा जल सकती है और फफोले पड़ सकते हैं।
- अल्कोहल का सेवन करने के बाद आपको स्टीम या सॉना बाथ नहीं लेना चाहिए, इससे आपका रक्तचाप बढ़ सकता है, जो आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है।
- हृदय और उच्च रक्तचाप की समस्या से पीड़ित व्यक्तियों के लिए भी ये बाथ नुकसानदायक हो सकते हैं। इससे हृदय गति बढ़ सकती है, जिससे गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है।
- अगर आप गर्भवती हैं, तो ध्यान रहे कि अधिक समय तक लिया हुआ स्टीम या सॉना बाथ आपके और आपके गर्भस्थ शिशु के लिए नुकसानदायक हो सकता है।
- स्टीम या सॉना बाथ लेने से पहले आप अपने नाजुक अंगों को तौलिए से ढक कर रखें, नहीं तो वहां की त्वचा पर फफोले होने की समस्या हो सकती है।
- बाथ के दौरान अन्य लोगों के तौलिए और साबुन का उपयोग करने से संक्रमण का खतरा हो सकता है।
- स्टीम बाथ में ज्यादा देर तक बैठने या फिर दिए गए निर्देशों के पालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बरतने पर त्वचा संक्रमण की समस्या हो सकती है। कुछ गंभीर मामलों में तो मृत्यु तक हो सकती है।

सेहत

ओवर एक्टिव थायरॉइड में क्या खाएं क्या न खाए?

हाइपरथाइरॉयडिज्म वह स्थिति होती है, जिसमे थायरॉइड ग्रंथि ओवर एक्टिव हो जाती है। इसके कारण हार्मोन का स्राव अधिक होता है। इसका असर मेटाबॉलिज्म के स्तर पर पड़ता है। इसमें थायरॉक्सिन हार्मोन ज्यादा बनने के कारण वजन कम होने लगता है। इतना ही नहीं शरीर का तापमान सामान्य से अधिक हो जाता है, अनिद्रा, उत्तेजना, घबराहट और चिड़चिड़ापन जैसे समस्याएं शुरू हो जाती हैं। हाइपरथाइरॉयडिज्म में डायबिटीज होने की संभावना भी बढ़ जाती है। हाइपरथाइरॉयडिज्म (ओवरएक्टिव थायरॉइड ग्लैंड) को सामान्य बनाने में खान-पान की बहुत बड़ी भूमिका होती है। आइए हम आपको बताते हैं कि हाइपरथाइरॉयडिज्म में आपको कैसा आहार लेना चाहिए।

हाइपरथाइरॉयडिज्म में क्या खाएं?

हाइपरथाइरॉयडिज्म में ऐसे खाद्य पदार्थ जो आसानी से पच जाते हों उनको खा सकते हैं। ऐसा भोजन जो खाने के बाद तीन घंटे में पच जाता है, उसको खाइए, इन खाद्य-पदार्थों से मेटाबॉलिज्म का स्तर बढ़ता है। ठंडे पानी की मछली और मछली का तेल (जिसमें ईपीए और डीएचए की मात्रा 1 से 2 ग्राम मौजूद होती है, जो थायरॉइड फंक्शन के लिए फायदेमंद होते हैं) थायरॉइड फंक्शन के लिए फायदेमंद होती है।

साबुत अनाज

हाइपरथाइरॉयडिज्म की समस्या तभी होती है, जब शरीर में आवश्यक और पोषक तत्वों की कमी होती है। कभी-कभी आप ऐसे फूड्स का सेवन करते हैं, जिनकी पोषण क्षमता समाप्त हो चुकी होती है, ऐसे में आपके लिए साबुत अनाज फायदेमंद हो सकता है। साबुत अनाज जैसे- ब्राउन राइस, गेहूं, चना आदि। दरअसल, साबुत अनाज में भरपूर मात्रा में कैल्शियम और आयरन होता है, जिससे हड्डियां मजबूत होती हैं। चूंकि थायरॉइड हार्मोन जब ज्यादा बनता है तो उसका असर हड्डियों पर ज्यादा होता है।

हाइपरथाइरॉयडिज्म क्या न खाएं?

कम आयोडीन युक्त आहार लें

जब शरीर में आयोडीन की मात्रा ज्यादा होती है, तब थायरॉइड ग्लैंड ओवरएक्टिव होता है और हाइपरथाइरॉयडिज्म की स्थिति पैदा होती है। हालांकि आयोडीन का सबसे अच्छा स्रोत खाद्य पदार्थ होता है। इसलिए हाइपरथाइरॉयडिज्म में ज्यादा आयोडीन वाले आहार के सेवन से बचना चाहिए। समुद्री भोजन जैसे- समुद्री मछली, समुद्र के आसपास उगे पौधों को खाने से बचें, क्योंकि इनमें आयोडीन की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। इसलिए खाते वक्त यह सुनिश्चित कर लीजिए कि जो आप खा रहे हैं, उसमें आयोडीन की मात्रा ज्यादा तो नहीं।

इन खाद्य पदार्थों से बचें

हाइपरथाइरॉयडिज्म में थायरॉइड ग्रंथि ओवर एक्टिव हो जाती है, हार्मोन का निर्माण ज्यादा मात्रा में होता है। ऐसे में कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे भी हैं, जो थायरॉइड हार्मोन के उत्पादन को प्रभावित करते हैं। ऐसे खाद्य पदार्थों को खाने से बचिए। गोभी, फूलगोभी, स्प्राउट, सरसों का साग, आड़ू, सोयाबीन, पालक और शलजम थायरॉइड हार्मोन के उत्पादन को रोकते हैं। इसलिए इनको बिल्कुल मत खाइए। इसके अलावा रिफाइंड शूगर, कॉफी, कोल्ड ड्रिंक, जैसे पेय जिनमें कैफीन की मात्रा ज्यादा हो, उनको भी खाने से परहेज करना चाहिए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-3-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-3-4-6

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-3-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-3-4-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-4-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शुभांक-6-7-9

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक:

रिजवान सैफ खान

सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारूकी ,

सह संपादक: राम सिंह यादव

उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3924

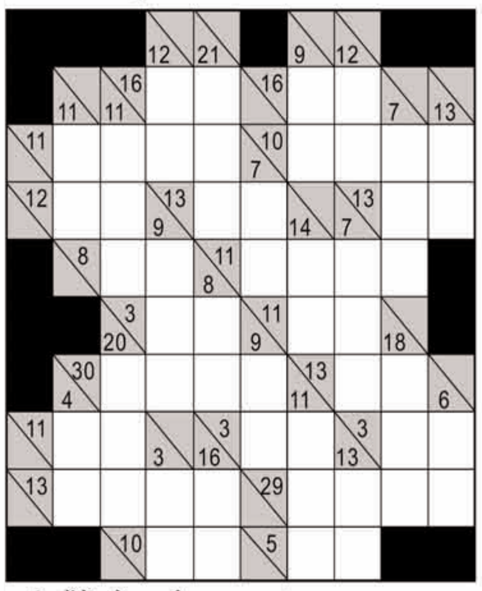

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3923 का हल

हंसी के फुव्वारें

पूजा में पण्डितजी ने बच्चों को लड्डू दिया और कहा-इसे हवन कुण्ड में डालों और कहो स्वाहा. बच्चों ने लड्डू मुंह में डाल लिया और कहा - आहा.

एक लड़का पार्क में साइकिल चला रहा था . उसकी मां बड़े गर्व से उसे देख रही थी. पहले चक्कर में मां के पास आने पर लड़के ने कहा, 'देखिये मम्मी, हाथों के बिना.' दूसरे चक्कर में बोला, 'देखिये मम्मी, पैरों के बिना.' तीसरे चक्कर में वह चिल्लाया, 'देखिये मम्मी, दांतों के बिना.'

एक खूबसूरत लड़की बस स्टॉप पर खड़ी था, एक नौजवान बोला-चांद तो रात को निकलता है, आज दिन में कैसे निकल आया? लड़की बड़ी हाजिरजवाब थी. बोली- अरे उल्लू तो रात को बोलता था, आज दिन में कैसे बोल रहा है ?

मास्टरजी: (व्याकरण पढ़ाते हुए) एक ऐसा वाक्य बताओ जिसमें वर्तमानकाल, भूतकाल और भविष्यकाल तीनों आ जायें.

छात्र: सौ साल पहले मुझे तुमसे प्यार था, आज भी है, और कल भी रहेगा.

जज: (चोर से) तुम्हें बार-बार कचहरी में आते लज्जा नहीं आती ?

चोर: हुजूर मैं तो साल में एक बार ही आता हूँ मगर आप तो रोज ही आते हैं.

फिल्म वर्ग पहेली- 3924

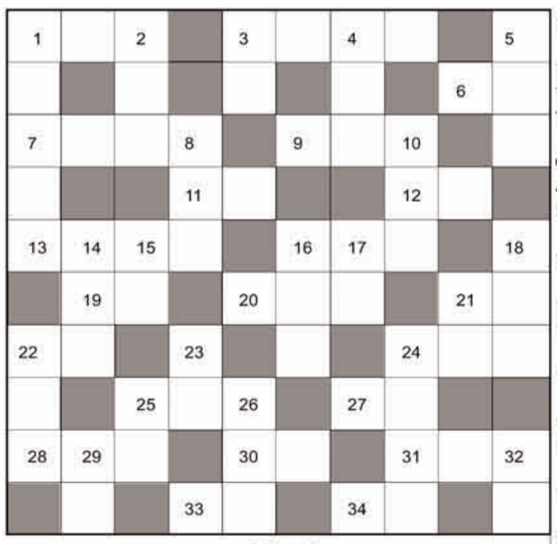

बायें से दायें:-

१. शाहिद कपूर, अमृता राव की फिल्म-३
३. शाहिद कपूर और अमृता राव की जोड़ी वाली पहली फिल्म कौन सी थी-२,२
६. सनी, प्रीति की 'तुझे देखा तो दिल मेरा डोल गया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'वो लड़की जो सबसे अलग है' गीत वाली फिल्म-४
९. शत्रुघ्न सिन्हा, शर्मिला की फिल्म-३
११. 'तू प्यार का सागर है तेरी' गीत वाली बलराज, नूतन की फिल्म-२
१२.अजय, जॉन, लारा, ईशा की फिल्म-२
१३. 'इससे पहले कि याद' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१६. भारतभूषण, नूतन की फिल्म-३
१९. फिल्म 'ईना मीना डीका' में जूही का नाम क्या है-२
२०. मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीतवाली फिल्म-३
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-२
२२. दिलीपकुमार, निम्मी की 'खेलो रंग हमारे संग' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२५. सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली ऋतिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
२८. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दो परदेसी अनजाने' गीतवाली फिल्म-३
३०. 'अंखियां ये अंखियां' गीत वाली दिलीप कुमार, रेखा की फिल्म-२
३१. दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३३. अमिताभ-जीनत अमान की हिट फिल्म की शहरूख, प्रियंका स्टारर रीमेक-२
३४. 'ये दौलत भी लेलो' गीतवाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'लगे रहो मुन्ना भाई' में संजयदत्त के साथ नायिका कौन है-२,३
२. सैफ अली खान, काजोल की फिल्म-३
३. 'देखो देखो जानम' गीत वाली फिल्म-२
४. दिलीपकुमार, संजयदत्त, पद्मिनी की 'हाथों की चंद' गीत वाली फिल्म-३
५. अजय देवगन, आयशाटकिया की फिल्म-३
८. 'मेहंदी लाया साजन' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'इश्क पे मत इल्जाम लगाना' गीत वाली ऋषिकपूर, फरहा की फिल्म-३
१४. अजय देवगन अभिषेक, बिपाशा की 'तेरे संग एक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'विक्टोरिया नं. २०३' में प्राण का नाम-२
१६. देवानंद, मधुबाला की 'सावन के महीने में एक' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'रेशम जैसा रंग देखो' गीत वाली गोविंदा, सोनम की फिल्म-२
१८. राजेंद्रकुमार, कामिनी की फिल्म-३
२१. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानवी की फिल्म-२
२२. बॉबी, करिश्मा की 'तुम क्या जानो दिल करता' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'घातक' में सनी का नाम क्या था-२
२४. अजय देवगन, जूही चावला की 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'हम तो दिल से' गीत वाली फिल्म-२
२६. विनोद खन्ना, डिम्पल की फिल्म-३
२९. 'धीमी धीमी सी' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'ओ डार्लिंग ये है इंडिया' में 'मिस इंडिया' कौन बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3923

सूडोकु -3924

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3923 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली - 3924

बाएँ से दाएँ

2.पिता की बहन-2
5.कठोर-2
7.खून,रुधिर-2
8.मशरूम,फफूंद-3,2
9.इसे मकड़ी बुनती है-2
10.अपशिष्ट पदार्थ-2
11.धैर्य,संयम-2
13.स्फूर्ति,चंचलता-4
15.ओस,निशाजल-4
17.राशि निर्धारण-5
18.हलकापन-5
20.खालीपन,रिक्तता-4
23.स्नान करवाना-4
26.दंड-2
27.कार्य-2
28.कुर्बानी-2
29.कहानी का लेखक-5
30.प्रतिबिंब-2
31.गाना,नगमा-2
32.मां की मां-2

ऊपर से नीचे

1.बंदूक की गोली-4
3.व्याकुलता-4
4.दौरान,मध्य में-5
5.सत्ताधारी-4
6.नरम,अकठोर-4
10.शराब,सुरा-2
12.ईश्वर-2
14.गतिशीलता-5
16.नवीन,नया -2,3
19.उद्योगपति अनिल अंबानी की पत्नी का पूर्व नाम-5
20.प्रतिपूर्त व अनुपुर्त करना (अंग्रेजी-4)
21.मवाद-2
22.नाजुकता-4
23.मना करना-4
24.मैं का बहुवचन -2
25.नाकारा,बेकार-4

शब्द पहेली -3923 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी